वर्ष-15, अंक-151
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रुपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 5 सितम्बर 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

आध्यात्मिक जीवन भारत की प्रतिभा है।-डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मप्र में फिर हनी ट्रैप

रशियन गर्ल के साथ भेल अधिकारी को फंसाया, वीडियो बनाकर मांगे लाखों रुपए

भोपाल। राजधानी भोपाल में फिर से हनी ट्रैप की चर्चा शुरू हो गई है। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भेल) के एक सीनियर अधिकारी के साथ हनी ट्रैप का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि अधिकारी को रशियन गर्ल के साथ मिलकर फंसाया गया और फिर उससे लाखों रुपए की डिमांड की गई। बताया जा रहा है कि दो महिलाओं ने अधिकारी का वीडियो भी बना लिया था, ऐसे में अधिकारी ने कुछ पैसे भी दिए थे, लेकिन जब पैसों की डिमांड लगातार बढ़ने लगी तो उसने पुलिस में शिकायत की, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। भेल के अधिकारी ने पुलिस को बताया कि वे गोविंदपुरा इलाके में रहते हैं, जहां उनका पीडब्ल्यूडी के ठेके लेने वाले एक शख्स के साथ मिलना जुलना होता था। इसी शख्स ने एक बार एक पार्टी में दो महिलाओं से उसकी मुलाकात कराई थी। अफसर को भरोसा दिलाया गया था महिला से वह मिल जुल सकते हैं और यह बात गोपनीय रहेगी। ऐसे में 4 अगस्त को एक होटल में कमरा बुक किया गया, जहां अफसर पहुंचा और बाद में दोनों महिलाएं भी वहां पहुंच गई। लेकिन इस दौरान कमरे में लगे खुफिया कैमरे से अधिकारी का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया गया। इस घटना के कुछ दिन बाद भेल के अधिकारी को एक बार फिर एक महिला से मिलाया गया जिसे रशियन बताया गया था। इस बार भी होटल में अधिकारी का वीडियो बना लिया गया। इसके बाद अधिकारी को युवक ने वीडियो-फोटो दिखाकर 25 लाख रुपए की मांग की जिससे अधिकारी हैरान रह गया। युवक ने अधिकारी से पैसे न देने की स्थिति में वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी थी। ऐसे में अधिकारी ने पहले युवक को एक लाख रुपए दे दे दिए और फिर बाद में 50 हजार रुपए और दिए। इसके बाद युवक अधिकारी को जबलपुर ले गया और एक लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए, जबकि अधिकारी से 10 दिन के अंदर बाकी के पैसों का भी इंतजाम करने की बात कही थी। ऐसे में परेशान अधिकारी ने तुरंत ही भोपाल पहुंचकर पुलिस थाने में पूरे मामले की शिकायत कर दी।

27 वीडियो बनाने का दावा

पुलिस ने बताया कि भेल के अधिकारी के करीब 27 अश्लील वीडियो बनाए जाने का दावा किया जा रहा है, ऐसे में पुलिस उस लड़की की तलाश में भी जुटी है, जिसे रशियन बताया गया था। डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि पुलिस आरोपी महिलाओं ममता द्विवेदी और पूजा राजपूत सहित क्राइम ब्रांच के एक कथित पुलिसकर्मी की भी तलाश कर रही है। अन्य आरोपी दीपक भागोरे कथित रशियन लड़की का दलाल बनकर मिला था। हालांकि, फिलहाल यह सबूत नहीं मिले हैं कि दोनों में से कोई विदेशी है। वहीं, हनीट्रैप के आरोपी शशांक वर्मा को कोर्ट ने 6 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

संत समाज ने 'शाही' शब्द को इस्लामिक बताते हुए इसे हटाने की मांग की

संतों को 'शाही स्नान' मंजूर नहीं

उज्जैन/हरिद्वार। कुंभ मेले में होने वाले संतों के शाही स्नान को लेकर अब सवाल उठाए जा रहे हैं। संत समाज ने 'शाही' शब्द को इस्लामिक बताते हुए इसे हटाने की मांग की है। मध्यप्रदेश के उज्जैन में हर 12 साल में एक बार महाकुंभ लगता है। इस बार महाकुंभ 2028 में उज्जैन के क्षिप्रा तट पर लगने वाला है। महाकुंभ की तैयारियों के बीच संतों ने 'शाही स्नान' शब्द पर आपत्ति जताते हुए इसका नाम बदलने की मांग की है। कुछ संतों का कहना है कि यह शब्द इस्लामिक होने के साथ भारत पर मुगल साम्राज्य के प्रभाव को याद दिलाने वाला है। इसलिए इस शब्द को तुरंत हटाना चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने कहा है कि 13 अखाड़ों के साथ मिलकर इस संबंध में चर्चा की जाएगी और नाम बदलने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की 'शाही सवारी' को लेकर भी इसी तरह का विवाद उठा था। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाही सवारी का नाम बदलकर 'राजसी सवारी' किया था। इसके बाद अब साधु संत उज्जैन में होने जा रहे सिंहस्थ कुंभ में 'शाही स्नान' का नाम बदलवाना चाहते हैं। अखाड़ा परिषद का कहना है कि सभी महामंडलेश्वर से चर्चा के बाद नाम बदलने के प्रस्ताव को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने रखा जाएगा।

प्राचीन परंपरा बनी रहनी चाहिए

आह्वान अखाड़े के महामंडलेश्वर अतुलेशनंद महाराज ने कहा है कि शाही शब्द एक इस्लामिक शब्द है और मुगल आक्रंताओं द्वारा दिया गया शब्द है। यह गुलामी को दर्शाता है। सनातन धर्म में ऐसे शाही शब्द को हटाना चाहिए। प्राचीन परंपरा बनी रहनी चाहिए। भारतवर्ष आजाद है इसलिए ऐसे किसी शब्द का उपयोग नहीं करना चाहिए जिससे गुलामी जैसा लगे।

'शाही' शब्द में पराधीनता का आभास

निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर श्लेषानंद महाराज ने कहा कि जिसका शासन होता है उसकी कार्यप्रणाली आ जाती है। भारतवर्ष के साथ भी ऐसा ही हुआ। मध्यकाल में आक्रांताओं का कुछ इस तरह प्रभाव पड़ा कि उनकी भाषा की व्यापकता दैनिक जीवन की तरफ बढ़ गई। यदि किसी शब्द से पराधीनता, आतंक का आभास होता है तो हटा देना चाहिए। मध्यप्रदेश शासन का एक अच्छा कदम है कि उन्होंने महाकाल की 'शाही सवारी' का नाम बदल कर 'राजसी सवारी' रख दिया ऐसे ही अब महाकुंभ में शाही स्नान का नाम बदलकर अमृत स्नान, दिव्य स्नान रखा जा सकता है।

13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि इस विषय पर 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों से चर्चा की जाएगी और भविष्य में प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में होने वाली कुंभ मेले में शाही स्नान का नाम बदलकर राजसी स्नान या किसी अन्य नाम पर विचार किया जाएगा। बता दें कि साल 2025 में यूपी के प्रयागराज में कुंभ मेला लगने वाला है। रविंद्र पुरी महाराज ने बताया कि शाही शब्द को हटाकर शुभ मुहूर्त के अनुसार सभी अखाड़ों की राय लेकर नया शब्द लगाने का निर्णय लिया है।

मुगलों के समय में दिया गया था शाही शब्द

रविंद्र पुरी महाराज का कहना है कि शाही शब्द उर्दू से जुड़ा शब्द है, जो कि मुगलों के समय में दिया गया था। अभी इसे बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन ने बहुत अच्छी बात कही कि शाही सवारी को राजसी सवारी कह सकते हैं। यह स्पष्ट है किसी भी शब्द से पराधीनता का आभास होता है, तो उसे हटा देना चाहिए। इसलिए हम चाहते हैं कि कुंभ मेले के स्नान दिव्य स्नान कहलाने लगे।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पिकअप से टकराई, चार लोगों की मौत

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है, यहां पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और पिकअप की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई जिसमें चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हादसा दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस पर बुधवार की देर रात को हुआ स्कॉर्पियो में तीन दोस्त सवार थे। इन तीनों समेत पिकअप ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी पुलिस का कहना है कि स्कॉर्पियो रॉन्ग साइड आ रही थी और पिकअप से टकरा गई।

स्कॉर्पियो में गरोठ तहसील में रहने वाले शंकर, गोविंदा और बालू सवार थे और पिकअप राजस्थान के झालावाड़ जिले का रहने वाला सूरजमल चला रहा था। चारों लोगों की मौत हो गई है स्कॉर्पियो में सवार तीनों दोस्त किसी कार्यक्रम में गए थे और वहां से वापस घर जा रहे थे, पुलिस ने शवों को शामगढ़ सरकारी अस्पताल में रखवा दिया है पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। पुलिस अभी इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बच्चे की पहली गुरु 'मां'

जो स्वयं हैं एक शिक्षक और बच्चे को शिक्षित करने में निभा रही अहम भूमिका

कहते हैं बच्चे की पहली गुरु उसकी 'मां' होती है, जो उसका हाथ पकड़कर सही राह पर चलना तो सिखाती ही है साथ ही अच्छा जीवन जीने की सीख भी देती है, लेकिन यदि यही मां स्वयं भी शिक्षक हो, जिस मां का जीवन ही शिक्षा के प्रति समर्पित हो तो वो अपने बच्चे को भी उचित व अच्छी शिक्षा दे पाती है। आज टीचर्स डे पर कुछ ऐसी माताओं को तलाशा, जो स्वयं एक शिक्षक हैं और अपने बच्चे को शिक्षित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।करीब 10 साल से टीचिंग प्रोफेशन में रहने वाली निजी स्कूल की टीचर नीतू शर्मा ने कहा कि मेरा बेटा प्रियांशु 10वीं क्लास में है और छोटा बेटा केशव सेकंड क्लास में है और मैंने अपना टीचिंग प्रोफेशन अपने बच्चों की वजह से ही चुना क्योंकि मुझे लगता है कि एक मां यदि एक टीचर है तो वह स्कूल में जहां अच्छे से पढ़ा पाती है, वहीं घर पर भी बच्चों पर काफी अच्छे से ध्यान दे पाती है और मेरा बच्चों के साथ यही रूटीन है कि हम साथ में ही स्कूल जाते हैं साथ में ही वापस आते हैं और फिर मैं उन्हें बहुत अच्छे से सिलेबस कंप्लीट करती हूं और रिवीजन करती हूं। पिछले 15 सालों से टीचर के रुप में काम करने वाली एसपीएस की टीचर शैफाली ने कहा कि मेरा बेटा मानस छठी क्लास में है और टीचिंग मेरा प्रोफेशन भी है और पैशन भी। क्योंकि मुझे शुरू से ही पढ़ाने का शौक था और आज भी स्कूल से आने के बाद मैं शाम के वक्त अपने बेटे को उसका होमवर्क कंप्लीट कराती हूं, रिवाइज कराती हूं। क्योंकि मेरा मानना है कि एक मां यदि शिक्षक है तो वो अपने बच्चे को शिक्षा का वास्तविक महत्व बता सकती है।

रतलाम में अधिकारी ने की खुदकुशी की कोशिश

रतलाम। रतलाम नगर निगम के प्रभारी कार्यालय अधीक्षक को ही अपना काम करवाने के लिए आत्महत्या तक का प्रयास करना पड़ गया। उन्होंने आरोप लगया कि वित्त विभाग के अधिकारी अपने कर्मचारियों का शोषण कर रहे हैं। इसलिए उन्हें अपने ही कार्यालय में धरना और प्रदर्शन करना पड़ा। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रभारी कार्यालय अधीक्षक गोपाल झालीवाल रोते हुए जहरीला पदार्थ खाने का प्रयास कर रहे हैं। साथी कर्मचारियों ने उन्हें ऐसा करने से रोक लिया। चौथे समयमान वेतनमान रोके जाने से परेशान कर्मचारी निगम कार्यालय में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान प्रभारी कार्यालय अधीक्षक गोपाल झालीवाल ने प्रभारी लेखपाल विजय बालोत्रा पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। इस घटना के बाद नगर निगम में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में निगम उपायुक्त नाराज कर्मचारियों को अपने केबिन में लेकर गए और उनकी समस्या का तुरंत समाधान किए जाने का आश्वासन दिया। दरअसल, बुधवार को सुबह नगर निगम में कार्यालय अधीक्षक गोपाल झालीवाल एक दर्जन से ज्यादा कर्मचारियों के साथ लेखपाल के ऑफिस के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। इन कर्मचारियों का चौथा समयमान वेतनमान बीते 2 महीने से उन्हें नहीं दिया जा रहा था। निगम आयुक्त के निर्देश दिए जाने के बाद भी जब कर्मचारियों की समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो परेशान होकर यह कर्मचारी प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान धरना दे रहे प्रभारी कार्यालय अधीक्षक ने जान देने की कोशिश की। झारीवाल ने बताया कि, राज्य सरकार के आदेश से कर्मचारियों के लिए चौथा वेतनमान लगाया गया था। बिना आदेश के दो महीने से अकाउंटेंट विजय बालौत्रा वेतन वृद्धि का लाभ नहीं दे रहे थे। ऐसा 10-15 कर्मचारियों के साथ किया गया। इस बात को लेकर निगम आयुक्त, स्थापना शाखा प्रभारी और अकाउंटेंट से शिकायत कर चुके हैं।

हाईकोर्ट ने बहाल कीं मप्र की चार बर्खास्त महिला सिविल जज

भोपाल। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि बर्खास्त की गई चार महिला सिविल जजों को बहाल कर दिया गया है। यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा छह महिला सिविल न्यायाधीशों की बर्खास्तगी का स्वतः संज्ञान लिया था। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और उच्च न्यायालय रजिस्ट्री को नोटिस जारी करते हुए हटाए गए न्यायिक अधिकारियों से भी जवाब मांगा था। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह की पीठ को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय रजिस्ट्री के वकील ने अवगत कराया कि छह महिला न्यायिक अधिकारियों में से चार की बर्खास्तगी को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत की बैठक में एक निर्णय लिया गया है। पीठ ने कहा कि 1 अगस्त को उच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि चार न्यायिक अधिकारियों की बर्खास्तगी का आदेश रद्द कर दिया जाएगा। उन्हें बिना किसी बकाया वेतन के एक वर्ष की परिवीक्षा के साथ सिविल जज जूनियर डिवीजन के रूप में तैनात किया जाएगा। हटाए गए न्यायिक अधिकारियों की ओर से पेश वकील तन्वी दुबे ने कहा कि बहाल किए गए न्यायिक अधिकारियों को उनके संबंधित बैच में सबसे नीचे रखा जाएगा और उनकी पुष्टि के बाद वे अपनी मूल वरिष्ठता हासिल कर लेंगे।

विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया हरियाणा में कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। उनकी सीटें तय हो गई हैं। विनेश फोगाट हरियाणा की जुलाना से और बजरंग पुनिया बादली से चुनाव लड़ेंगे। बुधवार को इससे पहले विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की थी। बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट 2023 में भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के तत्कालीन प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थे। लंबे समय से अटकलें लगाई जा रही थीं कि विनेश और बजरंग पुनिया कांग्रेस के टिकट पर हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। इसी क्रम में बुधवार को उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। अब कंफर्म हो गया है कि विनेश जुलाना और बजरंग पुनिया बादली सीट से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस शुरू में चाहती थी कि विनेश गुड़गांव के पास किसी सीट से चुनाव में उतरे लेकिन, विनेश जुलाना से ही चुनाव लड़ना चाहती थीं।

उम्मीदवारों की सूची एक या दो दिन में

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने हरियाणा की 90 में से 66 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दे दी है। हालांकि, नामों की घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, उम्मीदवारों की सूची एक या दो दिन में जारी होने वाली है। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए 5 अक्टूबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी।

विनेश ने जताया था किसानों के प्रति अपना समर्थन

विनेश फोगाट ने पिछले दिनों किसान आंदोलन के 200 दिन पूरे होने पर किसानों के प्रति अपना समर्थन भी जताया था। वे शंभू बॉर्डर पर पहुंची थीं। जब विनेश से राजनीति में कदम रखने का सवाल पूछा गया तो जवाब में उन्होंने कहा था कि चुनाव लड़ेंगी या नहीं, अभी नहीं बता सकतीं लेकिन, वे किसानों को अपना पूरा समर्थन करती हैं। विनेश और बजरंग ने महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोप से घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर मंतर पर लंबा आंदोलन किया था और उस दौरान राहुल गांधी सहित कांग्रेस के कई नेता उनके आंदोलन का समर्थन करने पहुंचे थे।

सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

आईआईटी इंदौर की खोज से टीबी के इलाज में मिलेगी मदद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर ने नए कम्पाउंड विकसित किए हैं। यह भारत और विश्व स्तर पर एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या, दवा-प्रतिरोधी ट्यूबरोक्लोसिस (टीबी) से निपटने में मदद कर सकते हैं। इस पर, संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर वेंकटेश चेल्वम व जीव विज्ञान एवं जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर अविनाश सोनवाणे के नेतृत्व में शोधकताओं ने अपने दवा खोज कार्यक्रम के हिस्से के रूप में टीबी के इलाज के लिए डिजाइन किए गए 150 से अधिक नए जीवाणुरोधी कम्पाउंड बनाए हैं। ये कम्पाउंड पाइरिडीन रिंग फ्यूज्ड हेट्रोसाइक्लिक फैमिली से संबंधित हैं, जिसमें पाइरोलोपाइरीडीन, इंडोलोपाइरीडीन और अन्य शामिल हैं। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमटीबी) नामक बैक्टीरिया के कारण होने वाली टीबी दुनिया भर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है, जो हर साल लगभग 1.5 मिलियन लोगों की जान लेती है। मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट (एमडीआर) और एक्सट्रीमली ड्रग-रेसिस्टेंट (एक्सडीआर) टीबी स्ट्रेन के उभरने के कारण स्थिति और खराब हो रही है, जो अधिकांश मौजूदा एंटी-टीबी दवाओं को अप्रभावी बना देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 4.8 लाख नए एमडीआर-टीबी मामले और रिफैम्पिसिन-रेसिस्टेंट टीबी (आरआर-टीबी) के अतिरिक्त 1 लाख मामले सामने आए हैं, जिनमें से आधे चीन और भारत में हैं। वर्तमान टीबी उपचारों में छह से नौ महीने तक एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी के लिए, विषाक्त दवाओं के साथ उपचार में कई महीनों से लेकर सालों तक का समय लग सकता है, जिससे अक्सर उच्च विफलता और मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी हो रही है।

नई दवाओं की आवश्यकता बहुत

टीबी के इलाज में एक बड़ी चुनौती यह है कि बैक्टीरिया बायोफिल्म्स नामक एक सुरक्षात्मक परत बना सकते हैं, जो दवा के प्रति सहनशीलता को बढ़ाता है और बीमारी का इलाज करना कठिन बनाता है।

एमडीआर-टीबी का प्रभावी ढंग से इलाज करने वाली नई दवाओं की बहुत आवश्यकता है। आईआईटी इंदौर में विकसित तकनीक बैक्टीरिया की सुरक्षात्मक परत में एक प्रमुख घटक- माइकोलिक एसिड (एमए) को लक्षित करके इस आवश्यकता को पूरा करती है। एमए बैक्टीरिया की कोशिका भित्ति की समग्रता और जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण है। इस टीम ने पॉलीकेटाइड सिंथेटेस 13 (पीकेएस 13) नामक एक एंजाइम पर ध्यान केंद्रित किया, जो एमए संश्लेषण के अंतिम चरण पर है। शोधकताओं द्वारा विकसित नए कम्पाउंड, पीकेएस 13 प्रोटीन से जुड़कर एमए के निर्माण को रोकते हैं, जिससे टीबी प्रेरित करने वाले बैक्टीरिया की मृत्यु हो जाती है। भारत, जहां दुनिया के लगभग आधे टीबी के मामले हैं, हर साल सब्सिडी वाली एंटी-टीबी दवाएं उपलब्ध कराने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च करता है और ये नए कम्पाउंड स्वदेशी दवा विकास का समर्थन करते हुए दीर्घकालिक स्वास्थ्य सेवा लागत को कम करने में मदद कर सकते हैं। आईआईटी इंदौर में विकसित तकनीक टीबी और दवा प्रतिरोध की चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आशाजनक परिणाम दिखाए

कम्पाउंड का परीक्षण जीवाणु संवर्धन में किया गया है और उन्होंने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। वे मैक्रोफेज जैसी प्रतिरक्षा कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कम सांद्रता में प्रभावी थे। इन कम्पाउंड ने रोगियों से अलग किए गए टीबी बैक्टीरिया को भी मार दिया, जिसमें आइसोनियाजिंड जैसी मानक दवाओं के प्रति प्रतिरोधी उपभेद भी शामिल हैं। वहीं, इनके आशाजनक परिणाम दवा विकास की लंबी और महंगी प्रक्रिया से बचने के प्रति आशा जगा रहे हैं।

चूहों जैसे छोटे जानवरों पर परीक्षण किया जा रहा

वर्तमान में, इन एंटी-टीबी कम्पाउंड में से सबसे शक्तिशाली का चूहों जैसे छोटे जानवरों पर परीक्षण किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एमडीआर और एक्सडीआर-टीबी के लिए उपचार में सुधार करना है। इस शोध का अंतिम लक्ष्य टीबी और दवा प्रतिरोधी टीबी के इलाज के लिए नए उपकरण प्रदान करना है, जो विकासशील और विकसित दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। इन कम्पाउंड को विकसित करने के लिए प्रयुक्त विधि को विभिन्न रोगों के उपचार हेतु भारत और अमेरिका दोनों में पेटेंट प्रदान किया गया है।

लिफ्ट के खुले डक्ट में भरे पानी में डूबने से डेढ़ साल के मासूम की मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। एक निर्माणाधीन इमारत में लिफ्ट के लिए बनाए खुले डक्ट में जमा बारिश के पानी में डूबने से डेढ़ साल के मासूम की मौत हो गई। बच्चा अपने भाई के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते वह अपने डक्ट के पास आ गया। भाई का उसकी तरफ ध्यान नहीं था। इसी दौरान वह डक्ट में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। यह घटना इंदौर के निपानिया क्षेत्र की द एड्रेस टाउनशिप में हुई। यहां विशाल पटेल चौकीदारी करता है और अपने पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता है। विशाल किसी काम से घर से बाहर गया था और पत्नी खाना बना रहती थी। बड़ा बेटा शिवा और डेढ़ वर्षीय रियांश निर्माणाधीन बिल्डिंग में खेल रहे थे। रियांश खेलते-खेलते डक्ट में गिर पड़ा। जब शिवा को अपना छोटा भाई नजर नहीं आया तो उसने मां को इस बारे में बताया। मां ने इधर-उधर खोजा। इसके बाद विशाल को फोन लगाकर सूचना दी। विशाल ने उसकी तलाश की और लिफ्ट के डक्ट में से उसने झांका तो वह नीचे पानी में डूबा दिखा। विशाल ने तुरंत उसे निकाला और अस्पताल लेकर गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विशाल का परिवार खरगोन जिले के भगवानपुरा में रहता है। वह रोजगार के सिलसिले में इंदौर आया था और कुछ दिनों पहले ही पत्नी और बच्चों को साथ रहने के लिए लाया था। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

टीआई तारेश सोनी ने बताया कि मंगलवार शाम करीब साढ़े 6 बजे विशाल एटीएम से पैसे निकालने गए थे। पत्नी खाना बना रही थी। दोनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। कुछ देर बाद विशाल लौटे तो रियांश दिखाई नहीं दिया। पहले पत्नी, फिर बड़े बेटे शिवा से पूछा। शिवा ने बताया कि हम दोनों साथ-साथ खेल रहे थे लेकिन रियांश वहां से कुछ दूर चला गया था। विशाल ने पड़ोसियों के साथ मिलकर तलाश शुरू की। इसी दौरान उन्होंने लिफ्ट की डक्ट में झांका तो रियांश पानी में डूबा दिखाई दिया। वे रियांश को पानी से निकालकर बॉम्बे हॉस्पिटल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टीआई सोनी के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में रियांश अकेला ही डक्ट की तरफ जाता दिखाई दिया। दूसरे सभी बच्चे सड़क पर खेलते दिख रहे हैं। विशाल का परिवार मूल रूप से खरगोन के भगवानपुरा गांव का रहने वाला है। उनके रिश्तेदार द एड्रेस टाउनशिप में चौकीदारी का काम करते हैं। यहां पांच इमारतों का निर्माण कार्य चल रहा है। विशाल भी इसी परिसर में अलग कमरे में रहता है।

काफी देर बाद डक्ट की तरफ ध्यान गया

रियांश के मामा वंश ने बताया कि परिवार के कई लोग इसी बिल्डिंग में काम करते हैं। बच्चा कई बार खेलते हुए मौसी के घर चला जाता था। पूछा तो रियांश वहां नहीं मिला। परिसर में चारों तरफ दीवार और गेट हैं इसलिए बिल्डिंग के अंदर ही ढूंढ़ते रहे। काफी देर बाद डक्ट की तरफ ध्यान गया।

सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर के साथ गैंगरेप, दो गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर नाबालिग किशोरी से गैंग रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि रील बनाने के बहाने नाबालिग किशोरी को ग्रामीण इलाके की सुनसान जगह पर में ले गए थे जहां 2 युवकों ने उसके साथ गलत काम किया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता के दोस्त से मारपीट करते हुए उसे बेहोश कर दिया था। हालांकि पीड़िता के दोस्त ने ही इन दोनों युवकों को मदद के लिए बुलाया था। पुलिस ने बताया कि नाबालिग किशोरी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती है और वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर है। वह अलग-अलग जगहों पर जाकर अपने वीडियो बनाती है। ऐसे ही सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर एक ग्रामीण इलाके में जाकर वीडियो बनाने को तैयार थी। इस जगह के बारे में उसे उसके दोस्त ने जानकारी दी थी। यह भीड़ से दूर सुनसान जगह थी। पुलिस का कहना है कि इसी सुनसान जगह पर दो युवकों ने उसके साथ रेप किया।

पीड़िता के दोस्त को पीट-पीटकर किया बेहोश

डीसीपी विनोद कुमार मीणा ने बताया कि पीड़िता के दोस्त को पीट-पीटकर बेहोश करने के बाद 2 युवकों ने यह वारदात की। दरअसल इन दोनों युवकों को पीड़िता के दोस्त ने ही बुलाया था, ये लोग वीडियो बनाने में मदद करने वाले थे। आरोप है कि इन्हीं दोनों ने पहले पीड़िता के दोस्त को पीटा और जब वह बेहोश हो गया तो पीड़िता के साथ भी मारपीट करते हुए गलत काम किया। उन्होंने कहा लड़की नाबालिग है और उसकी शिकायत के बाद से पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए संबंधित थाने को सूचना दी। मल्हारगंज पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच तेजाजी नगर पुलिस को सौंपी है। इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

लड़की की चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीण

लड़की की चीख-पुकार सुनकर मौके पर अन्य लोगों के आने के बाद आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग गए थे। इधर, लड़की ने अपने दोस्त को जैसे-तैसे होश में लाकर मल्हारगंज थाने पर प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि वह सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर है और मॉडलिंग भी करती है।मंगलवार को मेरे दोस्त जुनैद का फोन आया। उसने रील बनाने के लिए कहा। हम दोनों जिंसी हाट मैदान पहुंचे। यहां जुनैद के दोस्त इस्लामुद्दीन और दानू उर्फ रिजवान मिले। हम चारों यहां से रीजनल पार्क पहुंचे। तब इस्लामुद्दीन और रिजवान ने कहा कि रील बनाने के लिए हमारे पास इससे भी अच्छी जगह है। वे दोनों हमें खुड़ैल रोड पर एक कॉलोनी में पहुंचे। यहां एक टापरी बनी थी। दोनों ने कुछ देर बाद रील बनाने का कहा।

इंदौर में नर्सिंग परीक्षा में मामा की जगह पेपर देते पकड़ा गया भांजा

इंदौर। नर्सिंग की परीक्षा में पुलिस ने फिर एक मुन्नाभाई को पकड़ा है। आरोपित मामा के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। एक सप्ताह में यह दूसरा मामला है। इस संबंध में बिहार के गिरोह के सक्रिय होने का शक है। पुलिस होटल-लॉज में सर्चिंग कर रही है। संयोगितागंज पुलिस ने छह लोगों को हिरासत में भी लिया है। अन्नपूर्णा पुलिस के मुताबिक शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर में जीएनएम प्रथम नर्सिंग की परीक्षा का आयोजन था। डॉक्टर अजीत पालसिंह ने पुलिस को बताया कि परीक्षा का समय सुबह 9 से 12 बजे तक का था। किशोर गौतम के स्थान पर शशांक शेखर परीक्षा दे रहा था। एडमिट कार्ड से परीक्षा केंद्र में प्रवेश कर लिया था। प्रवेश पत्र और उपस्थिति पत्रक के फोटो में भिन्नता होने पर पूछताछ की गई। आधार कार्ड मांगा तो पोल खुल गई। इसके बाद नर्सिंग काउंसिल को सूचना दी और आरोपित को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शशांक शेखर के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। आरोपित ने बताया किशोर उसका मामा है। वह फर्जी तरीके से परीक्षा देने आया था। इसके पूर्व संयोगितागंज पुलिस एक आरोपित को गिरफ्तार कर चुकी है। एक होटल से शिवेंद्र कुमार, अंजय कुमार, राजू कुमार, शिवम कुमार, हिमांशु कुमार और अमन को हिरासत में लिया है।

सिंगल कॉलम

सरकारी नर्सिंग परीक्षा में फिर से फर्जीवाड़ा, एक स्टूडेंट पर केस दर्ज

इंदौर। इंदौर के अन्न-पूर्णा में एक कॉलेज में चल रही नर्सिंग की एग्जाम में फिर से फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। यहां डॉक्टर ने फर्जी तरीके से एग्जाम देने आए युवक पर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टर अजीत पाल सिंह चौहान की शिकायत पर शशांक शेखर, निवासी वार्ड 10, विलेज भवनीपुर, पोस्ट परिहार, भवानीपुर सितामढ़ी बिहार के खिलाफ 319(2), 62 बी.एन.एस., 3डी/4 म.प्र. मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 की धारा में केस दर्ज किया गया है। डॉक्टर चौहान ने बताया कि शशांक शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर में दूसरे छात्र के बदले एग्जाम देने पहुंचा था। यहां पर 28 अगस्त को जीएनएम के प्रथम वर्ष नर्सिंग की परीक्षा थी। शशांक यहां जो आईडी कार्ड और प्रवेश पत्र लेकर आया। उसमें लगा फोटो दूसरे फार्म के फोटो से मिलान नही कर रहा था। पूछताछ में पूरा मामला फर्जी मिला। इसके बाद अन्नपूर्णा पुलिस को लिखित शिकायत की गई। जिसमें जांच के बाद केस दर्ज किया गया।

सरकारी होस्टल से 11 साल की छात्रा गायब, पुलिस सर्चिंग में जुटी

इंदौर। इंदौर के तेजाजी नगर में सरकारी होस्टल से 11 साल की एक छात्रा लापता हो गई। होस्टल की अधीक्षिका ने पुलिस से अपहरण की शिकायत की है। पुलिस ने छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। तेजाजी नगर पुलिस ने ज्ञानोदय आवासीय कन्या छात्रावास की अधीक्षिका मीनाक्षी गोयल की शिकायत पर 11 साल की काजल निवासी बैतूल के अपहरण का केस दर्ज किया है। अधीक्षिका ने पुलिस को बताया कि वह छठी क्लास में पढ़ती है। मंगलवार शाम करीब 6-30 बजे स्टाफ ने अधीक्षिका को जानकारी दी कि काजल मंगलवार को खाना खाने नहीं पहुंची। कमरे में जाकर देखा तो वह नहीं मिली। रूम की अन्य बच्चियों से पूछा तो पता चला कि वह 3.30 बजे से वहां नहीं थी। बाद में बच्ची के परिजनों को अधीक्षिका ने जानकारी दी। अधीक्षिका ने तत्काल काजल के परिजनों को सूचना दी और पुलिस को अपहरण की शिकायत दर्ज की।

300 करोड़ के कॉरिडोर के सर्वे में चार प्रतिशत से भी कम ट्रैफिक

इंदौर। इंदौर। इंदौर में बीआरटीएस के एलिवेटेड कॉरिडोर पर असमजंस गहराने लगा है। मुख्यमंत्री के भूमिपूजन के बाद लोक निर्माण विभाग ने इसका ठेका गुजरात की एक कंपनी को दे डाला, लेकिन सर्वे में कॉरिडोर अनुपयोगी साबित हुआ। एलआाईजी से नवलखा तक पूरे कॉरिडोर का चार प्रतिशत ट्रैफिक भी नहीं जाता है। यह कॉरिडोर इन दोनो चौराहों के बीच बनना है। इस कारण अब तक कॉरिडोर की ड्राइंग डिजाइन ही तय नहीं हो पाई। यह प्रोजेक्ट पांच साल पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंजूर किया था। तय अनुबंध के तहत विभाग को ठेकेदार कंपनी को तय समय तक ड्राइंग डिजाइन नहीं देने के कारण जुमार्ना भी भरना पड़ सकता है। इस कॉरिडोर की लंबाई सात किलोमीटर है। केंद्र सरकार की तरफ से इसके लिए विभाग को राशि भी मिल चुकी है। प्लानिंग में इसकी एक भुजा गिटार चौराहे,दूसरी भुजा गीताभवन चौराहा और तीसरी भुजा शिवाजी वाटिका की तरफ दी गई है, लेकिन पलासिया तिराहा और गीता भवन की तरफ भुजा नहीं दी गई। दरअसल पूर्वी रिंग रोड पर पांच ब्रिज बन चुके है। जिन्हें सीधे भंवरकुआ तक जाना होता है। वे आजकल रिंग रोड अपना रहे है,क्योकि ब्रिज के कारण समय कम लगाता है। ट्रैफिक के जानकार अतुल शेठ का कहना है कि ताजा ट्रैफिक सर्वे में एलिवेटेड कॉरिडोर पर ट्रैफिक लोड चार प्रतिशत ही आया है। इस कारण इस कॉरिडोर का ज्यादा उपयोग फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। एलिवेटेड कॉरिडोर बनने के कारण छह किलोमीटर लंबाई में बीआरटीएस कॉरिडोर के कुछ बस स्टेशन भी टूट रहे है। इसके अलावा इंदौर विकास प्राधिकरण भंवरकुआ और लोक निर्माण विभाग निरंजनपुर चौराहे पर ब्रिज बना रहा है। इस कारण भी बस लेन कुछ हिस्सों में हटाई गई है।

अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला में पद्मश्री डॉ विकास महात्मे ने किया संबोधित

पैसा कमाने के बाद भी लोग सुखी नहीं, क्यों होता है ऐसा

इंदौर। अभ्यास मंडल की व्याख्यानमाला में पद्मश्री डॉ विकास महात्मे ने संबोधित किया। सुखी जीवन के लिए आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की। पद्मश्री डॉ विकास महात्मे ने कहा कि हमारे देश में शिक्षा के साथ जीवन के लिए आवश्यक कार्य भी सीखाना होंगे । हर व्यक्ति की लालसा धन कमाने की होती है । धन को नैतिक तरीके से कैसे कमाया जाएं, यह कभी कोई नहीं सीखाता है । उन्होंने यह बात अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित 63वीं वार्षिक व्याख्यान माला में अदृश्य स्वस्थ समृद्ध जीवन पर संबोधित करते हुए कहीं । उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में जो महत्वपूर्ण है वह हमें नजर नहीं आता है । उदाहरण के साथ अपनी बात को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे लिए मन और भावना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है और उसका स्वास्थ्य अच्छा नहीं है । हमें गुस्सा आ रहा है । इससे स्पष्ट है कि हममें कहीं ना कहीं कोई बीमारी है । इस दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो सोचता नहीं हो । हमें अपने विचार और नजरिए की जानकारी नहीं होती है । हमारे संविधान में बंधुत्व की बात कही गई है । यह बंधुत्व सीखाया नहीं जाता है । जबकि हम सीखा सकते हैं ।

विचार अलग हो सकते हैं पर उनका भी सम्मान करें

उन्होंने कहा कि आपके और मेरे विचार अलग हो सकते हैं । हमारे बीच में विचारों में असहमति संभव है लेकिन असहमति के बावजूद एक दूसरे के विचार का आदर करना ही बंधुत्व का भाव है । हमें प्रगति करने के लिए रूटीन से अलग हटकर विचार विकसित करना होंगे । इस विचार के लिए जागरुकता जरूरी है । यदि हममें भावना नहीं होगी तो रोबोट में और हममें कोई अंतर नहीं बचेगा । हममें भावना विचारों से तैयार होती है । उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि हमें जीवन में जिस जानकारी की जरूरत नहीं है वह हमारे पास होती है और जो जरूरी है वह हम नहीं जानते हैं । हम अपनी भावनाओं को अपने विचारों से बदल सकते हैं । भावना ही हमारे लिए कुछ करने का आधार बनती है । ऐसे में हमारे जीवन में इमोशनल मैनेजमेंट जरूरी है । उन्होंने कहा कि केवल पढ़ाई ही पर्याप्त नहीं है । हममें स्किल का होना भी जरूरी है । जब पढ़ाई करते हैं और अच्छे नंबर हासिल करने के लिए मेहनत करते हैं तो बुरा लगता है लेकिन इस शिक्षा के बाद में उसी के आधार पर आनंद को प्राप्त करने की कोशिश करते हैं । ऐसा कोई नहीं है जिसे जीवन में तनाव नहीं होता हो । तनाव को मैनेज करना कहीं नहीं सिखाया जाता है । ऐसा कोई नहीं है जो जीवन की दौड़ भाग में फेल नहीं हुआ हो । इस फेलियर से निपटना कहीं नहीं सिखाया जाता है । ऐसा कोई नहीं है जो कि पैसा कमाना नहीं चाहता है लेकिन पैसा नैतिकता के साथ कैसे कमा सकते हैं यह कभी नहीं सिखाया जाता है ।

पहले जीवन कौशल सिखाया जाता था

उन्होंने कहा कि पहले जीवन कौशल सीखाया जाता था अब नहीं सिखाया जाता है । हम जीवन में सब कुछ आनंद प्राप्त करने के लिए करते हैं । ऐसे में हमें यह ध्यान रखना होगा कि दूसरों के लिए काम करने में भी आनंद आता है । हमें जीवन कैसे जीना है यह नहीं सिखाया जाता है । विकसित भारत का निर्माण विकसित भारतीय के साथ होगा और भारतीय नागरिक को विकसित करने के लिए उसे भावनात्मक रूप से बेहतर करना होगा । कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत पुरुषोत्तम वाघमारे , हम्स शेख, रवि गुप्ता ने किया । स्मृति चिन्ह ओरिएंटल यूनिवर्सिटी के कुलपति सुनील सोमानी ने भेंट किया । कार्यक्रम का संचालन वैशाली खरे ने किया । कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी भी उपस्थित थे । अंत में आभार प्रदर्शन इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने किया ।

प्रवक्ताओं को प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बैठक में दी हिदायत

खराब प्रदर्शन वालों की कांग्रेस से होगी रवानगी

सिटी चीफ भोपाल।
प्रदेश कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ताओं की बैठक पीसीसी में आयोजित की गई जिसमें जीतू पटवारी ऑनलाइन जुड़े और प्रवक्ताओं को नसीहत दी कि काम में लापरवाही करने वालों की छुट्टी करने में कोई कोताही नहीं की जाएगी।अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक की अध्यक्षता में बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्तागणों की बैठक आहूत की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जूम के माध्यम से जुड़कर बैठक में उपस्थित सभी प्रवक्तागणों को मार्गदर्शन दिया और आगाह किया कि पूरी आक्रामकता के साथ काम करें। मीडिया विभाग अच्छा काम कर रही है। लेकिन इसमें और परिपक्ता की आवश्यकता है। डिवेट के दौरान मीडिया से चर्चा करते समय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। महिला का

प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर ध्यान दिया। पटवारी ने कहा कि मीडिया में अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए और कार्यप्रणाली में सुधार होना चाहिए। पटवारी ने स्पष्ट संकेत दिए कि जिनका प्रदर्शन स्तर के अनुसार नहीं होगा, उन्हें हटाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

बोलने के पहले अच्छे से उस विषय का अध्ययन करें

देश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि प्रवक्तागण तथ्यपरक बात करने और किसी भी विषय पर बोलने के पहले अच्छे से उस विषय का अध्ययन कर ले जिस विषय पर वह डिवेट में बोलने के लिए बैठा हैं। कांग्रेस की पूरी मीडिया टीम अच्छा काम कर रही है किंतु जो स्थिति प्रदेश की भाजपा सरकार में वर्तमान में बनी हुई है, प्रदेश में भ्रष्टाचार व्यापक स्तर पर बना हुआ है। महिलाओं पर अत्याचार, दुराचार की घटनाओं का जो ग्राफ बढ़ता जा रहा है, युवाओं, किसानों की समस्याओं से प्रदेश जूझ रहा है। कांग्रेस के प्रवक्ता को मीडिया में हमें जनता की आवाज बनकर भाजपा के दोहरे चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करने में कोई कसर नहीं छोड़ना है। साथ ही कांग्रेस का पक्ष हमें मजबूती से रखना है।

आठ महीने के काम का किया गया है अवलोकन

नायक ने कहा कि बैठक में मीडिया विभाग एवं प्रवक्ता द्वारा पिछले 8 माहे के कार्यों की समीक्षा की गई, उनके कार्य का अवलोकन किया गया। बैठक में सभी प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता, मृणाल पंत, रवि सक्सेना, शैलेन्द्र पटेल, विनय सक्सेना, रोशनी यादव, संतोष सिंह गौतम, डॉ. अशोक मसकोले, बैजनाथ कुशवाहा, राम पाण्डेय, मिथुन अहिरवार, रवि वर्मा, आरपी सिंह, स्वदेश शर्मा, अवनीश बुंदेला, संतोष सिंह परिहार, विवेक त्रिपाठी, अपराजिता पाण्डेय, आनन्द जाट, अभिनव बरोलिया, रीना बोरासी, जितेन्द्र मिश्रा, प्रमोद द्विवेदी, नीलाभ शुक्ला, हितकिशोर गुप्ता, हिदायत उल्ला खान, अमित चौरसिया, जतिन्दरपाल सिंह राजा, आनंद जैन कासलीवाल, अंबिका शर्मा, अभिषेक वीरेन्द्र गौर, रविन्द्र सिंह तोमर, प्रियंका शर्मा और हर्ष जैन उपस्थित थे।

एम्स और आईआईएसईआर की टीम विकसित कर रही डीप लर्निंग और एआई तकनीक, ट्यूमर की पहचान की प्रक्रिया होगी तेज और सटीक

अब चुटकियों में पता चलेगा सिर के ट्यूमर और गर्दन के कैंसर का पता

सिटी चीफ भोपाल।
कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी की समय से पहचान नहीं होने से यह शरीर में तेजी से फैल जाता है। कैंसर को डिटेक्ट करने के लिए विश्व भर में अलग-अलग रिसर्च चल रहे हैं। राजधानी भोपाल स्थित एम्स और आईआईएसईआर भोपाल की एक संयुक्त टीम डीप लर्निंग और एआई तकनीकों का उपयोग कर एक ऐसी तकनीक विकसित कर रही है जो अपने आप सिर के ट्यूमर और गर्दन के कैंसर का पता लगा लेगी। खास बात यह है कि टीडीके कॉरपोरेशन जापान और आईआईटी मद्रास के गोपालकृष्णन देशपांडे सेंटर (जीडीसी) द्वारा इस टीम को टीआईआईसी एक्सेलेरेटर प्रोग्राम 2024 के लिए चुना गया है। यह टीम 14 अगस्त को भोपाल से मद्रास जाएगी और वहां अपने रिसर्च का प्रेजेंटेशन पेश करेगी।

जानकारी के लिए बतादें कि टीडीके कॉरपोरेशन जापान और आईआईटी मद्रास का गोपालकृष्णन देशपांडे सेंटर (जीडीसी) नई तकनीकों को विकसित करने में स्टार्टअप्स की मदद करता है। इस प्रोजेक्ट के द्वारा ऐसी तकनीक विकसित की जायेगी जो स्वयं ही सिर के ट्यूमर और गर्दन के कैंसर का पता लगा लेगी। यह तकनीक रेडियोथेरेपी में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है, जिससे ट्यूमर की पहचान की प्रक्रिया तेज और सटीक हो जाएगी। यह तकनीक फिलहाल दुनिया में कहीं भी उपलब्ध नहीं है। इस परियोजना के अंतर्गत टीम आईआईटी मद्रास में आठ सप्ताह के वर्कशॉप में हिस्सा लेगी, जहां वे अपनी तकनीक को बेहतर बनाएंगे और इसे व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेंगे।

एम्स भोपाल के रेडियोथेरेपी विभाग के डॉ. राजेश पसरीचा ने अमर उजाला को बताया कि

हमारी टीम में इस तकनीकी पर काम कर लिया है और कॉरपोरेशन जापान और आईआईटी मद्रास का गोपालकृष्णन देशपांडे सेंटर द्वारा आगे इसका प्रयोग करने और विश्व पटल पर ले जाने के लिए बुलाया गया है। जानकारी के लिए बतादें कि इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व एम्स भोपाल के रेडियोथेरेपी विभाग के डॉ. राजेश पसरीचा कर रहे हैं। उनकी टीम में मेडिकल फिजिसिस्ट अवनीश मिश्रा, रेजिडेंट डॉक्टर श्रीनिवास रेड्डी और डॉक्टर अरविन्द शामिल हैं। जबकि आईआईएसईआर भोपाल से डॉ. तन्मय बसु, डॉ. विनोद कुर्मी और डॉ. फिरोज सूरी शामिल हैं।

मरीजों के इलाज के नतीजे बेहतर होंगे

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने टीम के चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि यह सहयोग एम्स भोपाल और आईआईएसईआर भोपाल की नई तकनीक विकसित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एआई-आधारित समाधान से रेडियोथेरेपी की सटीकता बढ़ेगी और मरीजों के इलाज के नतीजे बेहतर होंगे। हमें पूरा विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

आधुनिक उपकरणों को विकसित किया जा सकेगा

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने कहा कि हमें अपनी सोच को हकीकत में बदलना होगा जिससे मरीजों की तकलीफें कम हो सके। मरीज के इलाज में हम मिलकर कुछ ऐसा करेंगे जिससे उनके जीवन में एक बदलाव आ सके।

इस साझेदारी से मरीज के जटिल इलाज में प्रयोग होने वाले आधुनिक उपकरणों को विकसित किया जा सकेगा। आने वाले समय में संयुक्त रूप से मिलकर एम्स भोपाल को मध्य भारत में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित कर सकेंगे।

मप्र में आधार से होगा पुलिस भर्ती में ऑनलाइन वेरिफिकेशन

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्य प्रदेश में अब उत्तर प्रदेश की तर्ज पर पुलिस भर्ती में अभ्यर्थियों का सत्यापन आधार के माध्यम से किया जाएगा। इसकी शुरूआत इसी वर्ष से पांच हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती में चयनित हुए अभ्यर्थियों के सत्यापन से की जाएगी। उप्र में यह व्यवस्था पहले से हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती का पेपर लीक होने, अन्य व्यक्ति द्वारा परीक्षा देने आदि घटनाओं की रोकथाम के लिए आधार सत्यापन की प्रक्रिया अपनाई गई। इससे भर्ती प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है, इसलिए अब मप्र में भी यही प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

गृह विभाग ने जारी कर दी अधिसूचना

वहीं, भारत सरकार ने सभी राज्यों को आधार से भर्ती प्रक्रिया में सत्यापन की व्यवस्था लागू करने दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके बाद मध्य प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया में इस व्यवस्था को लागू करने के लिए गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। बता दें कि प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेड़कर के चयन में सामने आई गड़बड़ी के बाद केंद्र

सरकार ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में पंजीकरण, परीक्षाओं और भर्ती के विभिन्न चरणों के दौरान स्वैच्छिक आधार पर उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने आधार से प्रमाणीकरण की व्यवस्था लागू कर दी।

ऐसी होगी व्यवस्था

मप्र में गैर राजपत्रित पदों पर व्यापम (कर्मचारी चयन मंडल) द्वारा भर्ती परीक्षा आयोजित की जाती है।

इसके बाद संबंधित विभाग चयनित अभ्यर्थी का सत्यापन कर उनके भर्ती संबंधी दस्तावेजों का मैन्युअली जांच करता है। नई व्यवस्था होने से भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी आधार तो सत्यापन होगा ही साथ ही चयन के बाद अभ्यर्थी का आधार से सत्यापन किया जाएगा। इससे गड़बड़ी की आशंका नहीं होगी।

वन विभाग की भर्ती प्रक्रिया में नहीं आधार सत्यापन की व्यवस्था

मध्य प्रदेश में गृह विभाग ने पुलिस भर्ती परीक्षा में आधार सत्यापन की व्यवस्था लागू की है, लेकिन वन विभाग की भर्ती प्रक्रिया में यह व्यवस्था नहीं है। हालांकि अब वन सहित अन्य विभागों में भी गैर राजपत्रित पदों पर भर्ती किए जाने वाले पदों पर आधार सत्यापन की व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

महिला प्रशासक पर आरोप : स्कूल में थोड़ा लेट पहुंचने पर धूप में खड़ा करती हैं, कराई जाती है साफ-सफाई

टीचर पर भड़कीं छात्राएं, किया हंगामा और तोड़फोड़

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल में सरकारी सरोजिनी नायडू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को छात्राओं ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित छात्राओं ने नारेबाजी की और फर्नीचर के साथ अन्य संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। छात्राओं ने आरोप लगाया कि महिला प्रशासक उनसे स्कूल में साफ-सफाई कराती हैं। यही नहीं स्कूल में थोड़ा लेट पहुंचने पर उन्हें धूप में खड़ा होने की सजा दे दी जाती है। छात्राओं के हंगामे और तोड़फोड़ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में छात्राओं ने फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया, छतों पर टंगे पंखों के ब्लेड खींचे, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, खिड़कियों और दरवाजों के शीशे तोड़ दिए। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एनके अहिरवार ने इस घटना के बारे में पूछे जाने पर बताया कि स्कूल की देखरेख स्टेट ओपन स्कूल द्वारा की जाती है। सशस्त्र बलों की पूर्व कैप्टन वर्षा झा स्कूल प्रशासन का प्रबंधन करती हैं। हंगामे के बाद वर्षा झा को उनके पद से हटा दिया गया है। छात्राओं ने आरोप लगाया कि स्कूल में देरी से पहुंचने के कारण उन्हें सजा दी गई।

धूप में खड़ा होने के कारण कुछ छात्राएं बेहोश

वायरल वीडियो में एक छात्रा ने दावा किया कि हम केवल 10 से 15 मिनट देर से पहुंचे, इस पर स्कूल प्रशासन ने हमें घास साफ करने की सजा दी और हमें धूप में खड़ा कर दिया। छात्रा ने कहा कि धूप में खड़ा होने के कारण कुछ छात्राएं बेहोश हो गईं। छात्राओं ने शौचालयों की खराब स्थिति और अपर्याप्त जल आपूर्ति की भी शिकायत की। इस बीच, कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने दावा किया कि छात्राओं से कूड़ा हटाने, घास काटने और देरी से आने पर पत्थर हटाने के लिए कहा गया।

हंगामे के बाद महिला प्रशासक को हटाया

अरुण यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, स्कूल में शौचालय गंदे हैं और छात्राओं को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा है। यदि राज्य की राजधानी के स्कूल की यह स्थिति है, तो राज्य के बाकी हिस्सों में सरकारी स्कूलों की दुर्दशा की कल्पना की जा सकती है। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) एनके अहिरवार ने कहा कि हंगामे के बाद वर्षा झा को उनके पद से हटा दिया गया है।

सड़क हादसे रोकने के लिए गायों को पहनाई गई रेडियम पट्टी, मध्य प्रदेश में अनूठा प्रयोग

भोपाल। देश के विभिन्न शहरों की तरह मध्य प्रदेस में भी सड़कों पर गायों की मौजूदगी आम बात है। रात के समय अंधेरे में अक्सर लोग सड़क पर बैठी गायों से टकरा जाते हैं। ऐसे कई हादसों में लोगों को जान भी गंवाना पड़ी है। अब हादसे रोकने के लिए मध्य प्रदेश की ग्वालियर यातायात पुलिस ने अनूठी पहल की है। गायों के गले में रिफलेक्टर पट्टी बांधी जा रही है। पुलिस का मानना है कि इससे गायों और राहगीरों की जान सुरक्षित रहेगी। ट्रैफिक टीआइ राघवेंद्र भार्गव ने बताया कि हाइवे पर सड़क पर बैठने व घुमने वाली गायों के गले में रिफलेक्टर पट्टी (रेडियम बेल्ट) बांधी जा रही है।

गायों व आमजन की सुरक्षा के लिए ऐसा प्रयास किया है। मवेशियों को दुर्घटना से बचाने रेडियम बेल्ट पहनाया जा रहा है। ये रेडियम बेल्ट सिग्नल का काम करते हैं। रात के समय वाहनों की लाइट से रेडियम बेल्ट चमकता है, जिससे इन पशुओं से टक्कर के कारण होने वाले सड़क हादसों में कमी आएगी। ट्रक ने टक्कर मारी, चालक घायल- मेहगांव थाना अंतर्गत भिंड-ग्वालियर हाईवे स्थित टाटा कंपनी के वर्कशाप के पास एक ट्रक ने दूसरे ट्रक को टक्कर मार दी, जिससे चालक घायल हो गया है। पुलिस के मुताबिक, राजेंद्र पुत्र रमेश खटीक निवासी फढ़का पुरा थाना बानमौर जिला मुरैना ने बताया कि हाइवे पर ट्रक क्रमांक एमपी 53 एचए 0986 ने उनके ट्रक को टक्कर मार दी। सड़क दुर्घटना में घायल महिला की मौत- भिंड के गोरमी थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, पुष्पा पत्नी गजराज सिंह गुर्जर निवासी फूलपुरा थाना महाराजपुरा सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी। स्वजन इलाज के लिए जेएएच अस्पताल ले गए थे।

मौसम विभाग ने जारी की 64.5 से 115.5 मिली मीटर तक की भारी वर्षा की चेतावनी

13 जिलों के लिए भारी बारिश का यलो अलर्ट

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में बारिश की गतिविधियां जारी हैं। इस दौरान पिछले 24 घंटों में प्रदेश के रीवा, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, ग्वालियर, चंबल और सागर संभागों के जिलों में कुछ स्थानों पर, जबकि उज्जैन संभाग के जिलों में अनेक स्थानों पर जोरदार बारिश दर्ज की गई एवं शेष सभी संभागों के जिलों में मौसम मुख्यत- शुष्क रहा। गुरुवार सुबह 8.30 बजे तक के लिए मौसम विभाग ने रायसेन, बुरहानपुर, नीमच, मुरैना, श्योपुरकलां, सतना, डिंडौरी, कटनी, सिवनी, बालाघाट, पन्ना,सागर, छतरपुर जिलों के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान यहां कहीं-कहीं बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने के साथ ही 64.5 से 115.5 मिली मीटर तक की भारी वर्षा हो सकती है।

बुधवार सुबह साढ़े 8 बजे तक बीते 24 घंटों में भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, कटनी, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलीं। इस दौरान सबसे अधिक बारिश जावद में 110 मिमी और आरोन में 80 मिमी दर्ज की गई। अन्य जगहों की बात करें तो बक्स्वाहा में 78.4 मिमी, कन्नोद में 78 मिमी, मंदसौर में 67 मिमी, धार में

63.4 मिमी, सैलाना में 54 मिमी, हरदा में 49.5 मिमी, सतवास में 38 मिमी बारिश हुई। इसके अलावा अन्य सभी स्थानों में इससे कम पानी ही गिरा।

निवाड़ी रहा सबसे गर्म

अधिकतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। यह उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, सागर संभागों के जिलों में सामान्य से अधिक रहा एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहा। न्यूनतम तापमानों में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। वे नर्मदापुरम, उज्जैन, सागर संभागों के जिलों में सामान्य से अधिक रहे एवं शेष सभी संभागों के जिलों में सामान्य रहे। सबसे अधिक तापमान पृथ्वीपुर (निवाड़ी) में 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम तापमान पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में 20.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

निम्न दाब क्षेत्र के निर्मित होने की संभावना

दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के ऊपर माध्य समुद्र तल से 5.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। मॉनसून ट्रफ वर्तमान में माध्य समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक जैसलमेर, कोटा, गुना, सिवनी, कलिंगपट्टनम और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर मध्य-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है। उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर माध्य समुद्र तल से 3.1 और 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई के मध्य चक्रवातीय परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकाव के साथ सक्रिय है।

इसके प्रभाव के कारण पश्चिम-मध्य व पश्चिमोत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर 5 सितंबर 2024 से एक निम्न दाब क्षेत्र के निर्मित होने की संभावना है। साथ ही विरूपक हवाओं का क्षेत्र (शीयर जोन) 22 डिग्री उत्तर अक्षांश पर माध्य समुद्र तल से 3.1 किमी की ऊंचाई पर अवस्थित है।

संपादकीय

शिक्षक सीखने की जमीन तैयार करता है

आज के डिजिटल युग में, ज्ञान की उपलब्धता और शिक्षण की प्रक्रिया में बड़े परिवर्तन आए हैं। इंटरनेट, गूगल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई ने शिक्षा को अधिक सुलभ और समृद्ध बना दिया है।लेकिन इससे शिक्षक का महत्व कम नहीं होता। इस संदर्भ में एक श्लोक उद्धरणीय है; 'सद्वर्तनं च विद्वत्ता च तथाध्यापनकौशलम्। शिष्यप्रियत्वमेतद्धि गुरोर्गुणचतुष्टयम्।।' अर्थात अच्छा व्यवहार, विस्तृत और गहरा ज्ञान, शिक्षण की तकनीक और शिष्यों में प्रिय होना यह अच्छे शिक्षक के चार गुण हैं। विचारणीय यह है कि एआई और आईटी की अन्य तकनीकें इनमें से किन गुणों की जगह ले सकती हैं। इन गुणों को ध्यान से देखें, तो हम पाते हैं कि मुख्यत: ज्ञान ही वह विशेषता है, जिसे एआई और दूसरी तकनीक कुछ हद तक प्रतिस्थापित कर सकती हैं। शिक्षण विधि तो एआई से विकसित की जा सकती है, लेकिन शिक्षक के व्यवहार और उसका प्रिय होना किसी भी तकनीक से प्रतिस्थापित नहीं किए जा सकते। एआई और गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तुरंत और विशाल मात्रा में जानकारी प्रदान कर सकते हैं, लेकिन वे गहराई से समझाने, विश्लेषणात्मक सोच को प्रोत्साहित करने, और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया देने में सीमित होते हैं। ये उपकरण सामान्य जानकारी और समाधान देते हैं, लेकिन अनेक बार ज्ञान के नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा नहीं कर सकते। इसके विपरीत, शिक्षक न केवल जानकारी की गहराई और संदर्भ प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी करते हैं और उनके व्यक्तिगत विकास में मदद कर सकते हैं। वे यह भी मार्गदर्शन करते हैं कि इन प्लेटफॉर्म्स पर क्या और कैसे खोजा जाए, जिससे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली और व्यवस्थित बनाया जा सके। प्राचीन शिक्षा शिष्य के संपूर्ण विकास को लक्ष्य बनाती थी, जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक पहलुओं का समावेश था। एआई और तकनीक इसमें सहायक तो हो सकती हैं, पर वह शिक्षक की जगह नहीं ले सकती। एआई और दूसरी तकनीकों ने कुशल शिक्षकों की पहुंच को इतना बढ़ाया है, जो तकनीक के बिना असंभव था। आज कितने ही शिक्षक हैं एनपीटीईएल और स्वयं प्लेटफॉर्म पर, जिनके कोर्सेज को हजारों की संख्या में छात्र और कामकाजी पेशेवर लेते हैं और पूरा करते हैं। यूट्यूब चैनल्स के शिक्षकों की बात करें, जो विद्यालय स्तर की, महाविद्यालय स्तर की, प्रतियोगी परीक्षाओं की और बहुत से अलग-अलग उपयोगी विषयों की शिक्षा देते हैं, तो यह संख्या और भी बहुत बड़ी हो जाती है। ये तकनीकी साधन शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति के रूप में उभरे हैं, जिससे छात्र विभिन्न विषयों में गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। इस दृष्टि से देखें तो इन तकनीकों ने शिक्षकों की पहुंच को बढ़ाया है और शिक्षक के को-पायलट के रूप में काम किया है। शास्त्रों में उल्लेख है कि 'आचार्यात्पादमादत्ते, पादं शिष्य: स्वमेधया। पादं सब्रह्मचारिभ्यो, पादं कालक्रमेण च।' अर्थात एक अच्छा शिष्य अपने शिक्षक से एक-चौथाई ज्ञान प्राप्त करता है, एक-चौथाई अपनी स्वयं की बुद्धि से, एक-चौथाई अपने सहपाठियों से और शेष ज्ञान अपने जीवन के अनुभव से प्राप्त करता है। स्पष्ट है कि शिक्षा एक समग्र प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षक, आत्म-अध्ययन, और सहपाठियों से प्राप्त ज्ञान सभी का योगदान होता है। ऐसी अनेक शिक्षण विधियों का विकास और चलन हो रहा है, जो शिक्षण को समग्र स्वरूप प्रदान करती हैं। पेयर-शेयर मेथड, केस स्टडी मेथड, रोल प्ले, फील्ड विजिट, सहयोगात्मक समस्या समाधान, सिमुलेशन आदि ऐसी अनेक विधियां विकसित हो रही हैं, जिनसे सेल्फ लर्निंग व पीयर लर्निंग होती है। प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और इंटर्नशिप भी महत्वपूर्ण हैं, जो अच्छे से निर्वाह की जाएं, तो कुछ सीमा तक जीवंत अनुभव प्रदान कर सकती हैं। यह देखकर खुशी होती है कि सिर्फ उच्च शिक्षा के छात्र ही नहीं, बल्कि विद्यालय के छात्र भी प्रोजेक्ट वर्क और इंटर्नशिप के लिए तत्पर रहते हैं। इन विधियों से शिक्षा प्राप्त करने में भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ये नए पहलू शिक्षा को उद्योगों और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ते हैं, जिससे छात्रों को स्वयं का व्यवसाय और रोजगार के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकता है। नई शिक्षा नीति भी इन तकनीकों को प्रोत्साहित करती है, जिससे शिक्षा में नवाचार और व्यावहारिक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। एआई और आईटी के युग में शिक्षक की बड़ी जिम्मेदारी सीखने का सही वातावरण तैयार करने की है, जहां शिक्षार्थी स्वयं से, सहपाठियों से और जीवन के अनुभवों से सीख सकें।

शिक्षा और जीवन: एआई नहीं सिखाएगा, जो मैंने शिक्षकों से सीखा... मशीन मददगार, लेकिन ज्ञान समझदार बनाता है

जब मैं अपने सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के बारे में सोचता हूं, तो मुझे उनके चेहरे याद आते हैं। एक कृतज्ञता का भाव जागता है। हालांकि मुझे वह पाठ्यक्रम बिल्कुल याद नहीं, जो उन्होंने मुझे पढ़ाया। विषय चाहे विज्ञान के हों या मानविकी के, मुझे याद है कि इन शिक्षकों ने ज्ञान के प्रति अपने जुनून का उदाहरण पेश किया और छात्रों के साथ जुड़ने के मजेदार तरीकों को अपनाया। वे खुद अनुशासित तो थे ही, उन्होंने नैतिक गुणों के ऐसे उदाहरण पेश किए, जो मेरे जैसे हजारों छात्रों की जिंदगी के लिए प्रेरणा बन गए। अपने अनुभवों से मैंने सीखा कि शिक्षक महज पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए नहीं होते, बल्कि गलती कैसे स्वीकारें या फिर शिक्षा किस तरह छात्रों को खुद की खोज करने में मददगार साबित हो, यह सिखाने में भी सहायक होते हैं। क्या कोई मशीन ऐसा कर सकती है?जो मैंने अपने शिक्षकों से सीखा, उस आधार पर कह सकता हूं कि हर एक व्यक्ति को ऐसे कौशल सीखने की कोशिश करनी चाहिए, जो मशीन नहीं सिखा सकती और जो सही मायनों में आपको इन्सान बनाएंगे। खुद को मौलिक बनाए रखना जरूरी है। वैचारिक तौर पर सतर्क बने रहना जरूरी है, क्योंकि मशीन की आदत आपको एक ही ढर्रे पर सोचना सिखाती है, वह आपकी रचनात्मकता को सीमित भी कर सकती है। पिछली गर्मियों में एआई से निर्मित एक कलाकृति को कोलोराडो स्टेट फेयर में पहला पुरस्कार मिला। पहली नजर में मुझे भी यह कलाकृति बहुत अच्छी लगी। लेकिन दूसरे ही पल यह मुझे बेजान-सी लगने लगी। किसी व्यक्ति का जुनून, दर्द, लालसा या गहराई से महसूस किए गए जीवंत एहसास उसमें नदारद थे। कल्पना और अंतर्दृष्टि, जैसा मेरे एक शिक्षक कहा करते थे, मानवीय रचनात्मकता के आधार होते हैं। मैंने अपने शिक्षकों से जो सीखा, वह कुछ इस तरह था। आपने एनिमल फॉर्म पढ़ी और अब आप जॉर्ज ऑरवेल जैसा लिखना चाहते हैं, तो आप लेखन से जुड़े कोर्स करेंगे, कक्षाएं लेंगे। एआई की मदद भी ले सकते हैं। लेकिन इन सबका मकसद क्या है, यह पहचानना जरूरी है। आप ये सब कुछ पढ़ रहे हैं, ताकि आप उसे बाहर ला सकें, जो आपके भीतर मौलिक है। एआई सब कुछ कर सकता है, लेकिन खुद की आवाज तो आप ही पहचान सकते हैं। आप हर समय यह दिखाना चाहते हैं कि आप सामान्य लोगों से बढ़कर हैं। आप एक भाषण देते हैं, लेकिन उससे पहले उसे तैयार करना होता है, जिसमें एआई आपकी मदद कर सकता है। लेकिन श्रोताओं से जुड़ने के लिए उनके मूड के हिसाब से कौन-सी बात पहले कहनी है, कौन-सी बाद में या कहनी ही नहीं है, यह गणना तो आपको ही करनी होगी। एआई इसमें क्या करेगा? बच्चों के दिमाग पर अपने अध्ययनों के लिए मशहूर एलिसन गोपनिक कहती हैं कि जब बच्चे जीपीटी-3 जैसे सिस्टम से बात करते हैं या कंप्यूटर पर कोई गेम खेलते हैं, तो वह प्रत्यक्ष व कल्पना की दुनिया के बीच एक मधुर रचनात्मकता का आनंद लेने लगते हैं। लेकिन, जब बच्चे किसी जीते-जागते व्यक्ति से बात करते हैं, या फिर मैदान में दोस्तों के साथ खेलते हैं, तब रचनात्मक ऊर्जा का जो प्रवाह होता है, वह एआई के साथ काम करते वक्त नहीं होता। जाहिर है कि एआई काफी कुछ सिखा सकता है, लेकिन सजीव चीजों से जो सीख मिलती है, उसकी बराबरी नहीं हो सकती। जब आप साहित्य पढ़ते हैं, या नाटक, जीवनी या इतिहास, तो आप विभिन्न परिस्थितियों में दूसरों के दृष्टिकोण व व्यवहार का अर्थ समझते हैं। किसी दूसरे के दिमाग में क्या चल रहा है, अगर आप यह समझ सकते हैं, तो आपके पास किसी मशीन की तुलना में कहीं ज्यादा मूल्यवान कौशल है। एआई यह नहीं सिखा सकता। कोई व्यक्ति किसी परिस्थिति विशेष में कैसा व्यवहार करेगा, यह एआई नहीं बता सकता। हां, वह यह जरूर बता सकता है कि उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। लेकिन उसकी यह सीख हर व्यक्ति पर सटीक बैठेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं, क्योंकि हर व्यक्ति मौलिक है। अनुभव, ऐतिहासिक ज्ञान, विनम्रता, चिंतनशीलता और सबसे महत्वपूर्ण संवेदनशीलता भी एक तरह का ज्ञान है, जो मशीन नहीं दे सकती। एआई के युग की खासियत यह है कि यह हमें उस ज्ञान से अलग करने पर मजबूर करता है, जो मानवतावादी नहीं है। यह इस बात का संकेत करती है कि आने वाले एआई युग की वास्तविकता क्या हो सकती है। एआई संभवत: हमें शानदार उपकरण देगा, जो हमें मौजूदा मानसिक काम को आउटसोर्स करने में मदद करेगा। एआई के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात यह हो सकती है कि यह हमें दिखाता है कि यह क्या नहीं कर सकता है, और इसलिए यह बताता है कि हम कौन हैं और हमारे पास क्या है। मशीन मददगार हो सकती हैं, लेकिन जो ज्ञान आपको समझदार बनाता है और रूपांतरित करता है, वह मशीन की परिधि से बाहर है।

शिक्षक दिवस पर विशेष: गुरु-शिष्य परंपरा चलती रहे..

ज्ञान का आदान-प्रदान अनादि काल से चला आ रहा है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनियों ने अपने शिष्यों को ज्ञान दिया। शिष्यों ने और ज्ञानार्जुन कर अपने शिष्यों को ज्ञान प्रदान किया। इस प्रकार गुरु-शिष्य परंपरा हजारों , लाखों वर्षों से चली आ रही है। यही परंपरा गुरुकुलों में भी प्रचलित थी। इसके बाद स्कूलों में इसका निर्वाह होता रहा । गुरु ऐसा प्रकाश स्तंभ है, जिसके आलोक से शिष्य अपना संपूर्ण अंधकार (अज्ञान) दूर कर जीवन को आलौकिक करता है । जीवन मूल्यों को समझता है। और समाज में अपना स्थान स्थापित करता है। गुरु द्वारा प्रदत्त ज्ञान को शिष्यों द्वारा उसे परिमार्जित कर, ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाता है तब होता है समाज में सुसंस्कारित शिष्यों का निर्माण। गुरुकुलों तक तो यह परंपरा आगाध गति से चलती रही, किंतु अंग्रेजों के आगमन के बाद गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति का ह्रास हुआ। इसका स्थान अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने ले लिया । तभी से देश में बाबू बनने की परम्परा का जन्म हुआ। समाज में अच्छे गुरुओं में कमी आई गई । अच्छे नागरिकों की भी कमी से समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता गया। वर्तमान में जो शिक्षा प्रदान की जा रही है ,वह किताबी ज्ञान पर आधारित है । उसमें मानवीय मूल्यों की शिक्षा का अभाव है । कैसे बच्चा पढ़ लिखकर एटीएम बने ? वह विदेश जाए ,खूब धन कमाए । यहीं तक रह गया वर्तमान शिक्षा का आधार । समाज का सोच भी कुछ इसी प्रकार का होता जा रहा है। किंतु इसके दुष्परिणाम भी समाज के सामने हैं, हम देख रहे हैं। बच्चा पर लिखकर अच्छे पैकेज के चक्कर में विदेश चला जाता है ,और धीरे-धीरे वहीं का नागरिक हो जाता है। यहां बूढ़े माता-पिता दीवारें देखते रहते हैं ! यहां तक की अनेकों बार बीमारी में भी कोई देखभाल करने वाला नहीं मिलता। ऐसी शिक्षा का क्या लाभ ? शिक्षा बच्चों को संस्कारित करें। उसमें जीवन मूल्यों को समझने की क्षमता हो। वह खूब धन संपत्ति कमाए , किंतु अपनी जड़ो से जुडा रहे, जिससे अपने परिवार के साथ रहकर अच्छा जीवन यापन कर सके। माता- पिता, परिजनों की भी समय पर मदद कर सके। धन-दौलत कमाना अच्छा है, किंतु स्वास्थ्य गवांकर नहीं । संपत्ति को इकट्ठा करें ,मगर हम उसके स्वामी रहें, न कि चौकीदार। इस प्रकार शिक्षा वही अच्छी है जो हमें मनुष्य बनाकर रखें। जीवन मूल्यों को हम समझ सकें। बिना जीवन मूल्यों के शिक्षा, शिक्षा नहीं कहीं जा सकती। मूल्य आधारित शिक्षा कि आज महती आवश्यकता है। प्रत्येक माता-पिता को बच्चों को मूल्य आधारित शिक्षा दिलाना आवश्यक है। जिससे उसका चरित्र निर्माण हो। वह परिवार समाज व राष्ट्र के काम आ सके।

मुद्दा: क्या होगा पूर्वोत्तर के कलादान प्रोजेक्ट का... लगातार आपूर्ति के लिए सशक्त नेवी आधारित टास्कफोर्स अहम

बांग्लादेश वर्षों से हमारा मित्र देश रहा है, फिर भी भारत सरकार के अनुरोधों के बावजूद चटगांव या त्रिपुरा के माध्यम से हमें हमारे पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में आपूर्ति हेतु व्यापारिक मार्ग उपलब्ध नहीं कराया गया। हमारे पास मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा के लिए व्यापार का एकमात्र मार्ग सिलीगुड़ी कॉरिडोर के माध्यम से ही उपलब्धहै। कोलकाता से इंफाल तक जाने में हमारे ट्रकों को चार दिन लगते हैं। यदि हमें चटगांव से होकर मार्ग मिल गया होता, तो समय एवं परिवहन व्यय में बहुत बचत होती और व्यापारिक माल 36 से 48 घंटों में पहुंच जाता। शुल्क का लाभ बांग्लादेश को भी मिलता, लेकिन वह सहमत नहीं हुआ।

अब पूर्वोत्तर के लिए वैकल्पिक मार्ग हमारी रणनीतिक जरूरत है। युद्ध की स्थितियों में सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटकर असम, अरुणाचलप्रदेशव पूर्वोत्तर के शेष राज्यों से संपर्क बाधित कर देना चीन का लक्ष्य है। संपर्क मार्ग की तलाश में विशद सर्वेक्षणों मेंपाया गया कि म्यांमार के रखाइन राज्य में स्थित कलादान नदी इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु उपयुक्त है। म्यांमार सरकार की सहमति से यह प्रोजेक्ट अमल में आया है। कलादान नदी बंगाल की खाड़ी में गिरती है। भारत सरकार ने इस प्रोजेक्ट का नाम कलादान मल्टीनोडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएमटीटीपी) रखाहै। कलादान नदी की ड्रेजिंग करके उस पर स्थित बंदरगाह %सितवे% की क्षमताएं पर्याप्त बढ़ाई गईं। सितवे से पलेटवा और पलेटवा से भारतीय सीमा तक 270 किमी लंबा राजमार्ग लगभग पूर्ण हो चुका है। सीमा से नेशनल हाईवे-54 को जोड़ने वाला 110 किमी का मार्ग भी पूरा होने के निकट है। सितवे बंदरगाह का उद्घाटन भारत के केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल एवं म्यांमार के मंत्री द्वारा 9 मई, 2023 को हुआ और तब से विभिन्न समस्याओं से जूझते हुए 70 जहाजों का आगमन हो चुका है।अब तक 111 हजार टन सामान की ढुलाई की जा चुकी है। इस मार्ग से सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लंबे रास्ते की तुलना में समय एवं परिवहन व्यय में लगभग आधे की बचत हो रही है। अभी व्यापार की गति धीमी है। नई समस्या यह है कि म्यांमार गृहयुद्ध के

लपेटे में आ चुका है और सितवे नगर के आसपास युद्ध चल रहा है। इस मार्ग का एक महत्वपूर्ण स्टेशन पलेटवा नगर म्यांमार की सरकारी सेनाओं के कब्जे से निकलकर अराकान आर्मी नामक विद्रोही संगठन के कब्जे में आ गया है। यही क्षेत्र रोहिंग्याओं का भी है, जिनमें से बहुत से बांग्लादेश और भारत भाग चुके हैं। अभी भी उनकी छह लाख की आबादी यहां शेष है। अब जैसे इतना दुर्भाग्य ही कम नहीं था, उधर बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद वहां भी भीषण अस्थिरता व भय का माहौल है। अचानक मोड़ ले रहीं इन घटनाओं का प्रभाव व्यापार आपूर्ति आदि पर पड़ना अवश्यंभावी है। सितवे पोर्ट व संपूर्ण प्रोजेक्ट के संचालन पर संदेह के बादल छा गए हैं। यह भारत के राष्ट्रीय हित की दृष्टि से महत्वपूर्ण तीन हजार करोड़ की धनराशि के व्यय से बनाया गया प्रोजेक्ट है। म्यांमार गृहयुद्ध, रोहिंग्या संघर्ष व बांग्लादेशी अस्थिरता की समस्याओं का समाधान भारत सरकार के सीधे बस में तो नहीं है, फिर भी रास्ते तो निकाले जा सकते हैं। यहां पर सबसे बड़ा हितधारक भारत ही है। म्यांमार से समझौते द्वारा ही भारत का यह प्रोजेक्ट चल रहा है। वह और भारत एक मेज पर हैं, लेकिन वहां म्यांमार के स्थान पर आज विद्रोहियों की सत्ता है। एक आकलन के अनुसार विद्रोहियों की सेनाओं की संख्या 15 से 30 हजार के बीच में होगी। वे कार्य बाधित करने में सक्षम हैं। बहरहाल, उनसे भी उनके हितों के मुताबिक वार्ता कर समाधान निकाला जा सकता है। बतौर क्षेत्रीय विद्रोही संगठन उनके भी हित बंदरगाह के संचालन से जुड़ जाएंगे। यह सड़क बांग्लादेश की सीमा के चटगांव हिल क्षेत्र के समानांतर चलती है। जहां तक बांग्लादेश की अराजकता की बात है, तो वहां कोई क्षेत्रीय शक्ति ही अपना वर्चस्व कायम करेगी। इस तरह इस इलाके में अफ्रीका जैसा कानूनविहीन क्षेत्र बन जाने की पूरी आशंका है, जहां व्यवस्था कायम कर पाना बहुत बड़ी चुनौती होगी। उस अराजक क्षेत्र के प्रबंधन की जिम्मेदारी अंतत: भारत के ही सिर पर आएगी। हमारा ही तो सबसे बड़ा हित भी प्रभावित हो रहा है। चूंकि क्षेत्रीय बौनी शक्तियों के बीच में सबसे बड़ा हितधारकभारत ही है, ऐसी स्थिति में अराजकता को नियंत्रित करने के लिए हमें अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना आवश्यक होगा। भारतीय सेना और नेवी से गठित एवं नियंत्रित एक टास्कफोर्स को इस संपूर्ण कलादान व्यापारिक प्रोजेक्ट की रक्षा व प्रबंधन की जिम्मेदारी दी जा सकती है, जिससे क्षेत्रीय शक्तियां बंदरगाह के संचालन में दखल न दे सकें। बांग्लादेश के नए भारतविरोधी सत्ताधारी विदेशी शक्तियों, जेहादियों व आईएसआई जैसे संगठनों के संपर्क में हैं। वे भारत की समस्याएं बढ़ाने में हाथ बंटाएंगे। कलादान क्षेत्र में एक सशक्त नेवी आधारित टास्कफोर्स हमारी पूर्वोत्तर की आपूर्ति को लगातार संचालित रखना सुनिश्चित कर सकती है।

दुकान का ताला तोड़कर नगद रूपए और लेपटॉप लगे गए चोर

ज्वाला चक्की मार्ग पर वारदात, पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

सुनील यादव।सिटी चीफ कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र हनुमानगंज के पास ज्वाला चक्की मार्ग पर बीती रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि अज्ञात चोर दुकान के अंदर से 5-6 हजार रूपए नगद और लेपटॉप लेकर फरार हो गए। जिसका वीडियो भी सामने आया इस वीडियो में साफ देखा जा सकता है चोर कैसे दुकान में घुसा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र हनुमानगंज निवासी राघवेन्द्र गोयनका ने बताया कि रोजाना की तरह बीती रात उनकी दुकान पर ताला लगा हुआ था, तभी अज्ञात चोरों ने दुकान के बाहर शटर में लगे ताला को तोड़क़र अंदर प्रवेश किया और राजस्थान श्रृंगार मंदिर से नगद रूपए और इसी के अंदर बने ऑफिस से लेपटॉप पार कर दिया। सुबह जब दुकान संचालक यहां पहुंचे, तब उन्हें चोरी का पता लगा। उन्होंने तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। दुकान के अंदर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में चोर वारदात को अंजाम देते हुए साफ दिख रहे हैं। फुटेज के आधार पर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

युवक ने बेटे को मारी गोली हत्या के बाद की आत्महत्या

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र क़े नई बस्ती स्तिथ शहीद द्वारा क़े पास एक युवक ने अपने चार वर्षीय पुत्र क़ो गोली मारी और अपनी पत्नी के पीछे दौड़ा पत्नी अपनी जन बचाकर भाग गई जिसके बाद युवक ने खुद क़ो गोली मार कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घटना सोंधिया गली मे हुई घटना क़े बाद क्षेत्र मे सनसनी फैल गई ओर लोगों हुजूम लग गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की मृतक मयंक अग्रहरी स्टाम्प वेंडर का काम करता रहा उसका पुत्र शुभ अग्रहरी क़ो भी गोली मार दी गयी पत्नी ने दौड़कर अपनी जान बचायी जिससे हल्की चोट आने से अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। वही इस घटना में जिस बंदूक का उपयोग हुआ है वह अवैध पिस्टल है..इस पूरे मामले की जांच पुलिस जांच में जुट गई है और कारण अभी अज्ञात है।

भिंड जिला पंचायत सीईओ की अच्छी पहल

अब स्थानीय लोगों को शिकायत के लिए नहीं होना परेशान

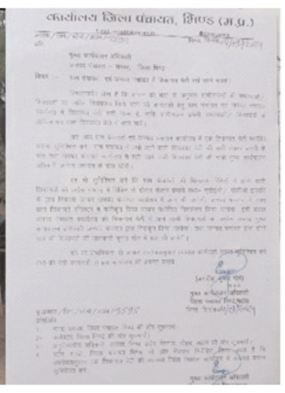
कार्यालय जिला पंचायत, भिण्ड (म.प्र.)

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ भिंड, भिंड जिला पंचायत के सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने सभी जनपदों एवम जिले की सभी ग्राम पंचायतों में शिकायत पेटी रखने को लेकर किया आदेश जारी! जिले की उक्त ग्राम पंचायतों की शिकायत पेटी की चाबी एडीओ एवम पीसीओ के पास रहेगी एवम जनपदों में रखी शिकायत पेटी की चाबी जनपद सीईओ के पास रहेगी, प्राप्त शिकायतों का निराकरण समय सीमा में करना होगा इतना ही नहीं रजिस्टर एवम गूगल सीट पर भी प्रत्येक प्राप्त शिकायती आवेदन दर्ज करना होगा ताकि जिले की पंचायतों में हो रहे भ्रष्ट्राचार की शिकायते एवम अन्य समस्याओं का निराकरण किया जा सके और स्थानीय लोगों का परेशान भी नही होना पड़ेगा, साथ ही आपको बता दें कि भिंड जिले की ग्राम पंचायत के लिए ऐसा आदेश पहली बार हुआ है इस आदेश की चर्चा जिले के गांव के चार चौराहाओं पर भी जमकर हो रही है और जिला पंचायत सीईओ के आदेश के बाद लोगों में अधिकारियों के प्रति एक विश्वास कायम हुआ है जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गौमे ने यह आदेश इसलिए और जारी किया है कि जिले की ग्राम पंचायत से तमाम तरह की शिकायत लेकर को लोग जिले के अधिकारियों के पास आते हैं तो कम से कम दूर दराज इलाकों से आने वाले लोगों को जब उनकी ही ग्राम पंचायत में शिकायत पेटी रख दी जाएगी तो वह अपनी छोटी से छोटी समस्या भी शिकायत के रूप में उसे पेटी में आवेदन के रूप में डाल देंगे और उनकी और समस्या का निराकरण भी समय सीमा में कर दिया जाएगा इसीलिए इस आदेश की चर्चा ग्राम पंचायत के चाक चौराहों पर भी हो रही है कुछ लोगों का तो यह भी कहना है कि यह आदेश बहुत ही अच्छा हुआ है अब लग रहा है कि भिंड में वाकई में कोई अधिकारी आया है जो स्थानीय लोगों की समस्याओं को कम से कम सुन तो रहा है उनकी समस्याओं को कैसे खत्म किया जाए उसका कोई उपाय तो ढूंढ निकाला है।

अनुपपुर युवराज जाट के निवास में निकला डंडा करेत सर्प

सर्प मित्र शशि धर अग्रवाल ने पकड़ कर जंगल में छोड़ा

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर युवराज जाट के घर निकला डंडा करेत सर्प,, सर्प मित्र शशि धर अग्रवाल ने पकड़ कर जंगल में छोड़ा रात करीब नौ बजे के वार्ड नंबर 10 बस्ती में लगभग डेढ़ फुट लंबा जहरीला सांप डंडा करेत घर में घुस गया ,तब सर्प मित्र शशि धर अग्रवाल को फोन पर जानकारी दी गई उस समय शशि धर अग्रवाल जी बिहारी कॉलोनी में एक जहरीले सर्प को पकड़ रहे थे ,वहा सफलता पूर्वक सर्प पकड़ने के बाद शशि धर अग्रवाल जी बस्ती आए जब तक यह का सर्प टाइल्स के नीचे घुस गया था तब शशि धर अग्रवाल जी भारी कोशिश के तकरीबन 11⁼ 30 पर सर्प को सफलता पूर्वक पकड़ा और जंगल में छोड़ने ले गए ।।। शशि धर अग्रवाल जी से बात करने पर पता चल की आज उन्होंने 4 डंडा करेत सर्प और एक कोबरा सर्प का रेस्क्यू किया इसके बाद शशि धर अग्रवाल जी बरबस पुर में कुएं में गिरे जंगली सुअर के रेस्क्यू के लिए निकल गए शशि धर अग्रवाल जी के ऐसे जस्बे को सलाम है।

भिंड में शहर जिला कांग्रेस ने करा धरना प्रदर्शन

धरना प्रदर्शन के बाद तहसीलदार भिंड को सोपा गया ज्ञापन

आदित्य द्विवेदी । सिटी चीफ भिंड, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार, भिंड जिला शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में किसानों की आर्थिक परेशानियों, फसलों के भाव, बिजली दरों में बेहताशा वृद्धि, महिलाओं,बालिकाओं पर दुराचार, खस्ताहाल सड़के,आजा,अजजा, अल्पसंख्यक वर्गों पर अत्याचार, शासकीय अस्पताल में व्यवस्थाओं व स्थानीय मुद्दों को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा गोल मार्केट पर विशाल धरना प्रदर्शन किया धरना प्रदर्शन के बाद तहसीलदार भिंड को ज्ञापन भी सोपा गया.

उक्त कार्यक्रम में बोलते हुए शहर जिला अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा ने कहा भिंड जिले में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद बीज नहीं मिल रही है खाद बीज की कालाबाजारी हो रही है जिससे किसान आर्थिक रूप से परेशान है भारी वर्षा के कारण दलहन की फासले खराब हो गई है और सरकार द्वारा किसानों की फसलों को 10 वर्ष पुरानी भाव में आज भी खरीद रही है और किसानों को भारी भरकम बिल दिए जा रहे हैं और बिल न जमा करने पर उनके मीटर काटने से लेकर उनकी मोटर पंप तक जप्त करने की कार्रवाई की जा रही है जो कि न्याय संगत नहीं है धरना प्रदर्शन में बोलते हुए नगर कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा की मध्य प्रदेश में सड़के खस्ता हाल हालत में है जो कि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है जगह-जगह गड्ढे होने से दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है जिससे कई लोगों की जान जा रही है और मरम्मत में करोड़ों का भ्रष्टाचार हो रहा है मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था की हालत भी बहुत खराब है महिलाओं और बालिकाओं से दुराचार के मामले बढ़ रही है बलात्कार और यौन शोषण में मध्य प्रदेश नंबर वन पर है दूसरी ओर मध्य प्रदेश सरकार द्वेषपूर्ण कार्रवाई कर लोगो के घरों को बुलडोजर से तोड़ रही है

धरना प्रदर्शन को प्रमुख रूप से डॉ राधेश्याम शर्मा संतोष त्रिपाठी बाबा भगवान दास सेथिया रेखा भदौरिया रामहर्ष सिंह कुशवाह संदीप मिश्रा राम अवतार भदोरिया बलराम जाटव दर्शन सिंह तोमर प्रमोद दीक्षित कुलदीप भारद्वाज हिम्मत सिंह हरिऔध शंकर जैन राहुल सिंह कुशवाह मोहम्मद इरफान गामू राजवीर खन्ना आनंद शाक्य वकील खान रामरतन यादव गजेंद्र यादव संजय यादव स्मिता शर्मा विक्रम सिंह राजावत राजू लोधी संजीव बरुआ अनीस कुरैशी सूरजपाल सिंह प्रदीप भदोरिया अजय शर्मा सुरेंद्र सिंह सेंगर विनोद जाटव वीर प्रकाश श्रीवास्तव सीमा शर्मा अनिरुद्ध त्रिपाठी गोविंद राजावत सुनीता दोहरे मनोज जैन मामा रागनी चौहान पिंटू शर्मा सत्येंद्र सिंह भदोरिया वीरेंद्र यादव आदि कांग्रेस जन शामिल हुए.

अनुपपुर में स्वास्थ विभाग कर्मचारी संचालित कर रहा अवैध क्लिनिक

उड़ रहा नियमो की धज्जियां

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, अनुपपुर निगवानी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ गणेश प्रजापति सालो से कर रहा अवैध क्लिनिक का संचालन। कहने को तो गणेश प्रजापति प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कंपाउंडर के पद पर है पर गणेश सालो से एक प्राइवेट क्लिनिक संचालित कर रहा है , इतना ही नहीं गणेश प्रजापति को निगवानी के आम जन स्त्रह साहब ही जानते है , गणेश किसकी शह पर ये अवैध क्लिनिक संचालित कर रहा है की सालों से ये नियमित संचालन जारी है , माननीय मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद कुछ झोला छाप डाक्टर पर तो कार्यवाही हुई पर गणेश तो स्वयं ही स्वास्थ विभाग में पदस्थ है तो इस पर कोन कार्यवाही करेगा ये एक बड़ा सवाल है ।।

गणेश प्रजापति का कहना है की मेरा क्लिनिक अवैध नही है जिला से रजिस्टर्ड है जबकि ये एक कंपाउंडर है और एक कंपाउंडर को क्लिनिक खोलने की इजाजत नहीं है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अवधिया का कहना - कंपाउंडर का क्लिनिक संचालित करना अवैध है , ऐसा कोई भी रजिस्ट्रेशन मैने नही किया न मैने उन्हे कोई अधिकार दिए है मेरे पहले किसी ने रजिस्टर्ड किया है तो इसकी जानकारी मुझे नही है और ये गैर कानूनी है।

मेड़ता रोड पुलिस थाने से फरार हुआ बाइक चोरी का आरोपी

सुबह शौचालय की जाली तोड़कर भागा आरोपी

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, नागौर जिले के मेड़ता रोड थाने से पुलिस कस्टडी में मौजूद एक बाइक चोरी का आरोपी फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी शौच जाने का बहाना बनाकर शौचालय की खिड़की की जाली तोड़कर भाग गया। पुलिस चोरी के आरोपी के भागते ही अलर्ट हो गई और आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं, जो दबिश देने में जुटी हैं। घटना बुधवार सुबह करीब 9 बजे, मेड़ता रोड पुलिस थाने की है। पुलिस कस्टडी से आरोपी का भाग जाना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा कर रही है। हालांकि तेजी के फरार होने के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आया तथा मेड़ता रोड के चप्पे-चप्पे पर आरोपी की तलाश शुरू की लेकिन दिन भर लाख कोशिश करने के बावजूद भी आरोपी का पता नहीं चला। आरोपी के फरार होने को लेकर पूरे नागौर जिले में नाकाबंदी भी की गई है। इस पूरे मामले को लेकर मेड़ता डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया- मंगलवार को कठौती निवासी दिलीप (29) पुत्र भंवरलाल बेड़ा को बाइक चोरी के मामले में पकड़ा था। आरोपी से बाइक चोरी के मामले में पुलिस की पूछताछ चल रही थी। बुधवार सुबह शौचालय का जंगला हटाकर चोरी का आरोपी मेड़ता रोड पुलिस थाने से भाग गया। मेड़ता डीएसपी ने कहा कि सूचना मिलते ही हम मौके पर पहुंचे और आरोपी को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल, पहली प्राथमिकता आरोपी को फिर से पकड़ने की है, इसलिए अलग-अलग टीमों को संभावित ठिकानों पर दबिश देने के लिए भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए जिले में नाकाबंदी करवाई है।

पेड़ पर लटके मिले युवक-युवती के शव, पुलिस जांच में जुटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नानौता थाना क्षेत्र के गांव खुडाना में नीम के पेड़ पर एक युवक और युवती के शव फंदे पर लटके मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और फारेंसिक टीम ने शवों को नीचे उतरवाकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने शवों की पहचान कराई तो उनकी शिनाख्त खुडाना निवासी सचिन सैनी (23) पुत्र लक्ष्मी चंद और बड़गांव थाना क्षेत्र के गांव दल्हेडी निवासी सलोनी (21) के रूप में हुई है। दोनों के शव रस्सी से बने फंदे में पेड़ पर लटके हुए थे। सूचना के बाद दोनों मृतकों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।पुलिस जांच में जुटी हुई है।

बचाव के उपाय एवं शंका समाधान के लिए करें 1800 1805145 पर संपर्क

मंकीपॉक्स को लेकर एडवाइजरी जारी, मंकीपॉक्स के लक्षण

गौरव सिंघल ।सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सचिव उत्तर प्रदेश शासन रंजन कुमार द्वारा प्राप्त पत्र के माध्यम से मंकीपॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के क्रम में जनपद में होने वाली आवश्यक गतिविधियों से अवगत कराया। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया की यदि जनपद में मंकीपॉक्स से संक्रमित कोई व्यक्ति मिलता है, तो उसके संपर्क में आए लोगों की पूरी सूची तैयार की जाएगी और इसे जिला और राज्य स्तरीय सर्विलांस इकाइयों को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि समय पर उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया की शासन स्तर से सभी जिलों को निर्देश दिए गए कि पिछले 21 दिनों में जो भी व्यक्ति उन देशों से आए हैं जहां मंकीपॉक्स के पुष्ट या संभावित मामले सामने आए हैं, उनकी स्क्रीनिंग कराई जाए। अगर किसी व्यक्ति में मंकीपॉक्स के लक्षण पाए जाते हैं, तो उसकी जांच किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ की माइक्रोबायोलॉजी लैब से कराई जाएगी। इसके लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो सैंपल कलेक्शन और जांच के कार्यों को संभालेगी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा मंकीपॉक्स को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किए जाने के क्रम में जनपद में आवश्यक गतिविधिया की जानी है। मंकीपॉक्स मुख्यत: मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के

उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में पाया जाने वाला एक वायरल जूनोटिक रोग है, जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया गया है। मंकीपॉक्स मुख्यत: मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षा क्षेत्र के वनों में पाया जाने वाला एक वायरल जूनोटिक रोग है, जिसका प्रसार यदा-कदा अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में भी पाया गया है। विदेश से आए किसी भी व्यक्ति या मंकीपॉक्स के लक्षणों वाले व्यक्ति की तत्काल जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सभी व्यवस्थाएं एहतियात के तौर पर की जा रही हैं, ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके और जनपद के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की यह पहल मंकीपॉक्स के संभावित प्रसार को रोकने और इसके प्रभाव को नियंत्रित करने के लिए की जा रही है। रोगों के लक्षण, बचाव के उपाय एवं शंका समाधान के लिए जनमानस को उपलब्ध कराए जाने हेतु राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 1800 1805145 है।

मंकीपॉक्स रोग के प्रमुख लक्षण- शरीर पर दाने, बुखार और लसिका ग्रंथियों में सूजन मंकीपॉक्स के मुख्य प्रारंभिक लक्षण हैं, जिसके उपरांत रोगी में अन्य चिकित्सकीय जटिलतायें विकसित हो सकती हैं।

मंकीपॉक्स सामान्यत: एक स्व-सीमित रोग है, जिसके लक्षण 2 से 4 सप्ताह तक बने रह सकते हैं परन्तु कतिपय गंभीर रोगी भी सूचित हो सकते हैं। रोग की मृत्यु दर 1-10त्न के बीच हो सकती है। मनुष्यों में मंकीपॉक्स रोग पशुओं अथवा अन्य संक्रमित मनुष्यों से संचरित हो सकता है। इस रोग का वायरस ब्रोकन स्किन (प्रदर्शित ना होने पर भी), श्वसन पथ, अथवा श्लेमिशिका झिल्लियों (आंख, नाक, या मुंह) के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर सकता है। पशु-से-मानव में संचरण संक्रमित जानवर के काटने या खरोंच, बुशमीट (जंगली स्तनधारी सरीसृप अथवा उभयचर पशु पक्षियों का माँस) का सेवन करने से, शरीर के तरल पदार्थ या घाव सामग्री के साथ सीधे संपर्क अथवा अप्रत्यक्ष संपर्क, यथा दूषित बिस्तर, के माध्यम से हो सकता है। मानव-से-मानव संचरण विभिन्न प्रकार के निकट संपर्क के द्वारा होता है, यथा-आमने-सामने संपर्क होना (यथा बात करना या एक-दूसरे के निकट सांस लेना, जिसमें ड्रॉपलेट अथवा कम दूरी के एरोसोल के माध्यम से संचरण हो सकता है), त्वचा-से-त्वचा का संपर्क (यथा स्पर्श अथवा योनि/गुदा मार्गीय संभोग, मुंह-से-मुंह अथवा या मुंह-से-त्वचा का संपर्क (यथा चुंबन, ओरल सेक्स या त्वचा को चूमना) मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति द्वारा छुये गए कपड़ों, बिस्तर, तौलिए, वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सतहों पर मंकीपोक्स वायरस कुछ समय तक बना रह सकता है। इस रोग की इनक्यूबेशन अवधि आमतौर पर 6-13 दिन होती है, लेकिन यह 5-21 दिनों तक भी हो सकती है। प्रभावित व्यक्ति आमतौर पर इस अवधि के दौरान संक्रामक नहीं होते हैं। संक्रमित व्यक्ति दाने के प्रकट होने से 1-2 दिन पहले तक रोग को प्रसारित कर सकते हैं तथा पपड़ी के गिर जाने तक संक्रामक रह सकते हैं। मंकीपॉक्स का वायरस चेचक की तुलना में कम संक्रामक है और कम गंभीर बीमारी का कारण बनता है।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्या के निस्तारण के लिए किया स्थलीय निरीक्षण

नगर निगम को 10 दिन के अंदर डीपीआर प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल द्वारा मै0 गौरी इण्टरप्राइजेज, ग्राम कुम्हारहेडा, देहरादून रोड, सहारनपुर के सामने पानी की निकासी हेतु नाला निर्माण के संबंध में सबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने नगर निगम को निर्देश दिए कि नाला निर्माण के संबंध में 10 दिन के अंदर डीपीआर प्रस्तुत करें जिससे जलभराव की समस्या का शीघ्रता से निस्तारण कर उद्योग बंधुओं को राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि

डीपीआर में नाला निर्माण की लंबाई, चौड़ाई, स्लोप, बीच बीच में चेंबर आदि सभी बातों का उल्लेख किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर नगर आयुक्त राजेश कुमार यादव सहित संबंधित अधिकारीगण एवं अनूप खन्ना, अनुपम गुप्ता सहित अन्य उद्यमीगण उपस्थित रहे।

आकार लेने लगी है एलीवेटेड रोड़

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने बैठक लेकर एलीवेटेड रोड़ के काम को और तेज करने के दिए निर्देश

भू-अर्जन की कार्यवाही जल्द से जल्द पूर्ण करने पर दिया जोर

ग्वालियर शहर के सुनियोजित विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ रही है एलीवेटेड रोड़ ग्वालियर शहर के आधुनिकीकरण एवं सुनियोजित विकास में बड़े आयाम के रूप में जुड़ रही एलीवेटेड रोड़ अब आकार लेने लगी है। एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण में कहीं पर पिलर, कहीं पर गर्डर तो कहीं पिलर्स के ऊपर गर्डर सहित स्लैब डालने का काम हो रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार को एलीवेटेड रोड़ की कार्य एजेंसी सेतु निगम के अधिकारियों एवं संबंधित एसडीएम व राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर एलीवेटेड रोड़ के काम को और तेज करने के निर्देश दिए। स्मार्ट सिटी के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण के शेष बचे हिस्सों में निजी जमीन के भू-अर्जन की कार्रवाई जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन के बाद संबंधित भू-स्वामियों व मकान मालिकों को तत्परता से भू-अर्जन की राशि मुहैया कराई जाए। साथ ही कहा कि एलीवेटेड रोड़ निर्माण में स्थानीय निवासियों की वजह से आ रही बाधाओं को दूर करने में जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। साथ ही लोगों को बताएँ कि एलीवेटेड रोड़ के निर्माण से आपके क्षेत्र का ही विकास होगा और शहर की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने एलीवेटेड रोड़ के निर्माण में आ रही मानपुर गिर्द, मोहम्मदपुर, रानीपुरा, गोसपुरा, रमटापुरा व महलगांव मौजों की निजी जमीन के भू-अर्जन कार्य की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि रानीपुरा व महलगांव मौजे की जमीन की भू-अर्जन की कार्यवाही अंतिम चरण में है। साथ ही मानपुर गिर्द, मोहम्मदपुर व रमटापुरा क्षेत्र की बस्तियों में स्थित निजी जमीन के भू-अर्जन की कार्यवाही भी तेजी से की जा रही है ज्ञात हो मानपुर गिर्द के अंतर्गत दाने बाबा के पास की बस्तियां, मोहम्मदपुर में राधा विहार, रमटापुरा व गोसपुरा में कुशवाह मोहल्ला, हजीरा पुल से मनोरंजनालय, मानस भवन के सामने, महलगांव में रामजानकी मंदिर, छिद्रपुरा, रमटापुरा में नैरो रेलवे लाइन की समीप की बस्तियां आती हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सेतु निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एलीवेटेड रोड़ का काम पूरी गुणवत्ता के साथ और तेजी के साथ मूर्तरूप दें। बरसात के कारण जिन क्षेत्रों में काम नहीं हो पा रहा है वहाँ अगले 15 दिन के भीतर कार्य शुरू करने के निर्देश उन्होंने दिए। साथ ही कहा कि यदि निर्माण में कोई बाधा आए तो उसे तत्काल जिला प्रशासन के ध्यान में लाएँ, जिससे काम को सुचारू कराया जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण में अभी तक 365.35 करोड़ रूपए की धनराशि मंजूर हुई है। प्रथम चरण में लगभग 5 हजार 895 मीटर लम्बाई में एलीवेटेड रोड़ का काम चल रहा है। स्मार्ट सिटी के सभागार में आयोजित हुई बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एसडीएम झांसी रोड़ श्री विनोद सिंह, एसडीएम लश्कर श्री नरेन्द्र बाबू यादव, भू-अर्जन अधिकारी एवं एसडीएम मुरार ग्रामीण श्री सूर्यकांत त्रिपाठी, कार्यपालन यंत्री सेतु निगम श्री जोगिन्दर सिंह यादव व सहायक यंत्री श्री प्रबल प्रताप सिंह सिसोदिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर के निर्देश पर विभिन्न अधिकारियों ने स्कूलों, आंगनबाड़ी उपस्वास्थ्य केन्द्र एवं ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम
कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण किया गया। साथ ही अधिकारियों ने आंगनबाडी केन्द्रों, उप स्वास्थ केन्द्रों का ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने ग्राम आंचलखेडा, में निराश्रित गौवंश हेतु बनाए गए अस्थाई आश्रय स्थ्ल का निरीक्षण किया। साथ ही पोषण आहार केन्द्र का भ्रमण कर व्यवस्थाऐं सुनिश्चित की। उन्होंने सेमरी हरचंद के नवीन पंचायत भवन एवं रैन बसेरा का भी

अवलोकन किया। सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर श्री संजय अग्रवाल ने ग्राम सेमरी हरचंद में वृहद स्तर पर पौधरोपण किया। उन्होनें ग्राम पंचायत भवन का भी अवलोकन किया। सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम ने ग्राम पंचायत निमसाडिया के आंगनबाड़ी केन्द्र, उपस्वास्थ केन्द्र एवं निर्माणाधीन नलजल योजनाओं का निरीक्षण किया। रैसलपुर में नलजल योजना का अवलोकन किया। जिला शिक्षा अधिकारी एसपीएस बिसेन ने हायर सेकेण्डरी स्कूल रंढाल एवं हाई स्कूल गूजरवाडा, का निरीक्षण किया। ईई पीएचई मनोज वर्मा ने निमसाडिया में चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। शिक्षा विभाग के एके शर्मा ने मा0 शा0 ग्वालटोली पीएमश्री हाईस्कूल ग्वालटोली में प्रा0 एवं मा0 शालाओं में स्वच्छता पखवाडा के संबंध में आयोजित गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा मा0 शाला कोठी बाजार का निरीक्षण किया। अधीक्षण यंत्री ईआरईएस ने अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करानें के लिए जनपद पंचायत सिवनीमालवा में सरपंच सचिव उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के साथ बैठक की। उन्होने शा0 हाय0 सेके0 स्कूल एसएनजी नर्मदापुरम का निरीक्षण किया। एमपीआरडीसी के श्री लौवंशी ने शा0 कन्या मा0 शाला खापरखेडा का निरीक्षण किया। जिला मत्सय अधिकारी श्री वीरेन्द्र चौहान ने सीएम राईज स्कूल सिवनीमालवा का निरीक्षण किया एवं बच्चों को पढाया।

गणेश चतुर्थी एवं ईद मिलाद उन नबीं का त्योहार आपसी भाईचारे के साथ मनानें के जिला शांति समिति की अपील

त्योहारो के दौरान बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएगा प्रशासन - कलेक्टर

उमरिया
उमरिया। जिले मे सभी त्योहार आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की परंपरा रही है । आगामी गणेष चतुर्थी एवं ईद मिलाद उन नबीं का त्योहार आपसी भाईचारे के साथ मनानें की अपील जिला शांति समिति ने की है । त्योहारों के दौरान साफ सफाई, मार्गो की मरम्मत , प्रकाष व्यवस्था तथा पेयजल व्यवस्था नगर पालिका उमरिया व्दारा की जाएगी। कलेक्टर की अध्यक्षता में संपन्न शांति समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि मूर्तियों की स्थापना सडक पर नही की जाए इससे यातायात प्रभावित होता है । मूर्ति पंडाल के सुरक्षा की जिम्मेदारी संबंधित समिति की होगी । समिति के सदस्य पंडाल में रात्रि के दौरान रूककर सुरक्षा प्रदान करेंगे । पंडाल स्थल पर अग्नि शमन यंत्र या बालू तथा पानी की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए । बिजली विभाग से अस्थाई कनेक्षन लेकर ही प्रकाष की व्यवस्था आयोजक कर सकेगे । बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिह महोबिया, एसडीओपी उमरिया नागेन्द्र प्रताप सिंह, थाना प्रभारी कोतवाली बालेन्द्र शर्मा, सीएमओ उमरिया किषन सिंह , कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग गजेन्द्र गायकवाड, सीएमएचओ डा एस बी चौधरी, पूर्व विधायक अजय सिंह, राजेष शर्मा, त्रिभुवनप्रताप सिंह, शंभूलाल खट्टर, धनुषधारी सिंह, मो आजाद, मो0 शाहिद, अतुल जैन, शेख अफजल ,कीर्ति कुमार सोनी, नायब तहसीलदार विनोद कुमार वर्मा, उपस्थित रहे।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि मिट्टी की मूर्तियों का उपयोग किया जाए । मूर्तियों के विसर्जन की व्यवस्था परंपरागत रूप से जहां की जाती रही है , वहीं हो सकेगी । आयोजक कमेटी को मूर्ति स्थापना की सूचना तथा कमेटी के सदस्यो की जानकारी संबंधित थानें को देनी होगी। थाना स्तर पर ही शांति समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देष कलेक्टर व्दारा दिए गए । इसी तरह ईद मिलाद उन नबीं का त्योहार भी आपसी भाईचारे के साथ मनानें का निर्णय शांति समिति व्दारा लिया गया। इस अवसर पर निकलने वाला जुलूस प्रात: 9 बजे से जामा मस्जिद से प्रारंभ होगा । शेष कार्यक्रम पूर्व वर्षो के अनुसार आयोजित किए जाऐंगे ।

पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देषानुसार ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग निर्धारित डेसीबल तथा समय पर ही हो सकेगा । आपने बताया कि गणेष विसर्जन का जुलूस सायं 7 बजे मंगल भवन एवं नया बस स्टैण्ड से निकलेगा । जुलूस में धार्मिक गाने ही बजाए जा सकेगे। इन जुलूसों में कोई भी व्यक्ति शराब का सेवन कर शामिल नही हो। त्योहारों के दौरान पुलिस एवं चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी । मूर्तियों का विसर्जन परंपरागत रूप से हो सकेगा। अपर कलेक्टर षिवगोविंद सिंह मरकाम ने त्योहारों के दौरान शांति समिति व्दारा लिए गए निर्णयों का पालन करनें तथा शांति बनाये रखनें का आग्रह किया।

सुविधाओं के मामले मे निजी स्कूल से बेहतर है गौरा का शासकीय माध्यमिक स्कूल

कटनी
प्रधानाध्यापक की मेहनत से संवरी स्कूल की तस्वीर
कटनी - ढीमरखेड़ा विकासखंड के अंतर्गत गौरा का शासकीय माध्यमिक स्कूल का उत्कृष्ट शाला परिवेश, वातावरण और छात्रों के अध्ययन अध्यापन के नजरिये से जिले भर मे आदर्श विद्यालय के तौर पर जाना जाता है। इस स्कूल के लिए यदि ये कहा जाय कि अपनी समग्र खूबियों की वजह से गौरा का शासकीय माध्यमिक स्कूल कई मामलों में प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर है तो कोई अतिशियोक्ति नहीं होगी। दरअसल पर गौरा स्कूल के कायाकल्प की शुरूआत वर्ष 2015 से शुरू हुई जब से यहां महेन्द्र सिंह ठाकुर की पदस्थापना प्रधानाध्यापक के पद पर हुई। तमाम चुनौतियों व बाधाओं को पार करते हुए श्री ठाकुर ने स्कूल की सूरत ही बदल कर रख दी। यहां शाला परिसर के अंदर विद्या की देवी मॉ सरस्वती का भव्य मंदिर बना है। जिसमे प्रवेश करते ही छात्र प्रार्थना के बाद मॉ सरस्वती को प्रणाम कर कक्षा मे प्रवेश करते है।अवकाश के दिनो मे भी छात्रों के अभिभावक स्कूल परिसर के सुरम्य वातावरण मे भजन-कीर्तन करने आते है। इस शाला परिसर में चंदन, रुद्राक्ष से लेकर कई सुगंधित औषधीय ,छायादार और मिश्रित प्रजाति के पौधों के अलावा करीब तीन दर्जन से अधिक किस्म के फूल के पौधे लगे है। जो परिसर को सुगंधित, मनोहारी और आकर्षक स्वरूप प्रदान करते है। इस स्कूल मे 95 विद्यार्थी अध्ययनरत है। पिछले साल का 5वीं एवं आठवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम गौरा शासकीय माध्यमिक स्कूल का शत - प्रतिशत रहा। इस स्कूल के 11 छात्रों ने ओलम्पियाड में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वहीं 4 छात्रों को राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट स्कालरशिप भी मिलने की जानकारी प्रधानाध्यापक श्री ठाकुर ने दी। इस स्कूल के 5 छात्र वर्तमान मे शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर में पढ़ाई कर रहे है। इस स्कूल को सजाने संवारने मे प्रधानाध्यापक ने जनसहयोग और स्वयं के वेतन से स्कूल का सर्वागीण विकास किया है। स्कूल में स्मार्ट क्लास है। सुंदर लाइब्रेरी है और स्कूल के सभी कमरे सी.सी कैमरा से युक्त है। साथ ही संगीत की शिक्षा हेतु वाद्य यंत्र भी उपलब्ध है। इसके अलावा व्यवसायिक शिक्षा हेतु कम्यूटर, सिलाई मशीन व वेल्डिंग मशीन भी स्कूल मे मौजूद है। शाला के विकास के संबंध में प्रधानाध्यापक कहते है कि शिक्षा जीवन मे सफलता की कुंजी है और शिक्षक ही है जो अपने छात्रों के जीवन पर स्थाई प्रभाव डालते है। इसी उद्धेश्य को ध्यान मे रखते हुए शाला के सौदर्यीकरण का प्रयास किया गया। ताकि बेहतर वातावरण में छात्र अध्ययन कर सकें। वे बताते है कि करीब- करीब 22 लाख रूपये की जनसहयोग राशि से विद्यालय विकास व अधोसंरचना निर्माण के कार्य कराये गए है। समाज और शासकीय भागीदारी से स्कूल की तस्वीर संवर गई है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कसरावद की अगुआई में किसानों और आमजनो की समस्याओं एवं मांगों के निराकरण बाबद महामहिम राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

खरगोन

सोयाबीन का समर्थन मूल्य 8 हजार और कपास का 10 हजार किया जावे

कसरावद – मप्र कांग्रेस कमेटी भोपाल एवं कसरावद विधायक एवं पूर्व कृषि मंत्री सचिन यादव के निर्देशानुसार बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की अगुआई में विधानसभा के कांग्रेस पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं , कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के साथ किसानों एवं आमजनों की समस्याओं एवं अपनी मांगों को लेकर विश्वास जीनिंग परिसर से रैली के रूप में पैदल मार्च करते हुए एवं अपनी मांगों के संबंध में नारे लगाते हुए जय स्तंभ पर पहुँचकर सांकेतिक रूप से धरना दिया गया । इसके उपरांत रैली के माध्यम से तहसील कार्यालय पहुँचकर तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव को महामहिम राज्यपाल के नाम से ज्ञापन सौंपा । ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष परराम यादव ने बताया कि हमारे अन्नदाता किसान इस समय काफी परेशानियों से जूझ रहे है। भारी वर्षा से उनकी सोयाबीन, मूँग, उडद, मक्का और कपास की फसलो को भारी नुकसान हुआ है । प्रदेश और निमाड अंचल के 50 प्रतिशत किसानो की सोयाबीन फसल में फल ही नही लगा है साथ ही किसानो की लागत दोगुना हो गई है। वर्ष 2011 मे भी सोयाबीन की फसल के दाम 4300 रूपये प्रतिक्विटल था। आश्चर्य की बात है की वर्ष 2024 मे भी पुराने दामों पर ही किसानो की उपज को सरकार खरीद रही है । केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें किसान विरोधी है । इन भाजपा की सरकारो से किसान एमएसपी की माँग लगातार कई वर्षो से कर रहे है, परन्तु किसानो की फसलो को एमएसपी के समर्थन मुल्य पर नही खरीद रही है ।

आज प्रदेश मे किसानो की आर्थिक परेशानीयाँ, बिजली की बेतहाशा दरो मे वृद्धि एवं कटौती, खस्ता हाल खराब सडकें, बिगडती कानून व्यवस्था, महिलाओं और अबोध बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार और दुराचार, अजा, अजजा और अल्पसंख्यको के साथ भेदभाव, अत्याचार और किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर आज दिनांक 04 सितंबर 2024 को ब्लाक कांग्रेस कमेटी के द्वारा विधायक सचिन यादव के निर्देशानुसार में महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम अपको ज्ञापन सौपा जा रहा है।

अपनी मांगों के अंतर्गत किसानों की फसलों को एमएसपी के समर्थन मूल्य पर खरीदी, सोयाबीन के न्यूनतम समर्थन मूल्य 7 से 8 हजार करने, कपास का समर्थन मूल्य 10 हजार रूपये प्रति क्विंटल करने, देश में बढ़ती मँहगाई , मिलावटखोरी एवं मुनाफाखोरी पर लगाम लगाने , किसानों और आमजनों को दी जा रही सिंचाई एवं घरेलू बिजली की दरों को कम करने , गरीबों को राहत देने , स्मार्ट मीटरों में अत्यधिक यूनिट एवं बिल बनने की समस्या, अमानक बीज, कीटनाशक और खाद को लेकर दोषी कंपनियो के खिलाफ कार्यवाही करने एवं अमानक बीजों से फसल बर्बादी का मुआवजा किसानों को देने , मण्डियों एवं खेतो में आने जाने वाले मार्गो की मरम्मत और नवीन मार्ग निर्माण किये जाने , किसानो एवं आमजनो के आवागमन हेतु नदियो पर पुल- पुलियाओं के निर्माण किये जाने , बदहाल कानून व्यवस्था में सुधार करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा ।

आज प्रदेश में कानून व्यवस्था बदहाल है । रोजाना अपराध बढ रहे है । सभी प्रकार के अपराधों में मध्यप्रदेश अव्वल नंबर पर है । भाजपा ने कानून व्यवस्था को मजाक बना दिया है। पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। बलात्कार, अपहरण, हत्या की घटनाये आये दिन हो रही है। पुलिस का अपराधियों पर नियंत्रण समाप्त हो चुका है। भजपा के लोग अजा, अजजा और अल्पसंख्यको के साथ भेदभाव कर उन्हे प्रताड़ित करने का काम कर रही है । महिलाओ ओर अबोध बालिकाओं पर अत्याचार और दुराचार दिन प्रति दिन बढते जा रहे है । हमारी माँग है की कानून व्यवस्था मजबूत और सुदृढ़ की जावे ।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष परसराम यादव, नगर पंचायत प्रतिनिधि राजेन्द्र यादव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश बागदरे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल यादव, इंदर सिंह राठौर, अशोक दरबार , जिला पंचायत सदस्य रमेश यादव, जितेन्द्र पटेल, लोकेन्द्र सिंह , डॉ. शिरिश जायसवाल, रईस कुरैशी, शुभम कुशवाह, इम्तियाज पटेल, सईद हेडली, गुलशेर खॉन, संतोष मोरी, गोरू पाटीदार देवराम यादव, ऋषि यादव , संतोष पटेल, राजनारायण यादव सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन , कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित थे ।

शाजापुर श्री राम सेना शाजापुर के नेतृत्व में मंगलवार को बाबा मंगलनाथ की राजसी सवारी का भव्य स्वागत किया गया। श्री राम सेना के अध्यक्ष गौरव शर्मा के तत्वाधान में युवाओं की टोली के साथ भव्य स्वागत किया। इस भव्य स्वागत के दौरान गौरव शर्मा के साथ मयंक चंदेल ,गौतम जोशी , गौरव शितुत ,अक्षत सोनी , मितेश भावसार , कार्तिक राठी , नीरज जोशी , अंकित परमार , चरण सिंह दलोदिया , उज्जवल डोडिया , हर्षित गौड़ , हर्षित परमार , राहुल ममालवीय , निकलेश हांडे , हर्ष श्रीवास्तव , हर्ष गौर , मीत कुशवाह , सुमित तिवारी , अर्जुन परमार , लव यादव, दर्शन पवार , जय मालवीय , लविश भावसार , आराध्या राठौर , जय भावसार , भूपेंद्र बना , दक्ष भावसार, मयंक कालेट , आयुष गंगवाल , पियूष गंगवाल , विवेक राहार्वे , अंकित गवली , आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

शाजापुर सदस्य अभियान में दिखाई अपनी सक्रियता उज्जैन संभागीय मीडिया प्रभारी दिनेश राठौड पूर्व अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष आगर मालवा ने जैसे ही सदस्यता अभियान चालू हुआ। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के सबसे पहले देश के श्री आदरणीय माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सदस्यता ली उसके बाद सदस्यताअभियान चालू हुआ। इसी दौर में आगर मालवा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजा मोर्चा दिनेश राठौड द्वारा मात्र 3 घंटे में ऑनलाइन 51 लोगों को सदस्यता दिलाई सबसे बड़ा विश्वास सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के ऊपर विश्वास जनता जनार्दन का है।

खाचरौद सिविल हॉस्पिटल में सोनोग्राफी सुविधा चालु हुई

उज्जैन

विधायक डॉ तेजबहादुर सिंह चौहान जी के प्रयासों से गर्भवती महिलाओं के लिए माह में 2 दिवस शासकीय चिकित्सालय में सोनोग्राफी व्यवस्था सुचारू रूप से चालू होगी।अब गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नही पड़ेगी।

यह नगर के लिए महत्वपूर्ण सुविधा की सौगात है। आगे आने वाले समय में यह सुविधा प्रतिदिन भी सुचारू रूप चालू हो इसके लिए विधायक जी का प्रयास जारी है।इस महत्वपूर्ण सुविधा को चालू कराने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल छाजेड़ ,वरिष्ठ नेता अनोखीलाल भंडारी, दयाराम धाकड़ ,सुरेश छाजेड़,विजय सेठी , अनिल शर्मा, महामंत्री बंटी जायसवाल, बाबूलाल राठौड़ ,विनोद चतुर्वेदी,अखिलेश शर्मा,अश्विन ढिंढोरकर, राधेश्याम बम्बोरिया, सभी पार्षद गण एवं नगर के नागरिकों ने विधायक जी का आभार माना।

महेश पर नन्दिनी बने प्रथम विजेता

उज्जैन

खाचरोद ।नगर एवं आसपास के क्षेत्र की गायन प्रतिभा को उभारने के लिए पार्षद नारायण मंडावलिया और उनकी टीम द्वारा वॉइस ऑफ खाचरोद प्रतियोगिता का आयोजन कर गायन में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को के लिए मंच उपलब्ध कराया गया। जिसका फाइनल मुकाबला मंगलवार को सत्यम शिवम सुंदरम परिसर में आयोजित किया गया अपनी उत्कृष्ट गायन कला की प्रस्तुति देकर सीनियर वर्ग में महेश पवार एवं जूनियर वर्ग में दुर्गेश नंदिनी बारोट वॉइस का खाचरोद बने। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा ,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनिल छाजेड़ ,अश्विन डिंडोरकर,युवा व्यवसाईक हेमंत जैन, सूर्य प्रकाश शर्मा ,अजीज पेंटर,सुभाष सुनहरे

तहसिलदार, हिमांशु कारपेंटर नायब तहसीलदार, बबलु पंड्या,रविबैरागी आदि ने मेडल प्रमाण पत्र एवं विजेता कप देकर पुरस्कृत किया। आयोजन समिति के पार्षद नारायण मंडावलियाने बताया कि इस प्रतियोगिताको तीन चरण में आयोजित किया गया जिसमें सीनियर और जूनियर वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी-अपनी की गायन कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया ।प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के चयन के लिए अनुभवी संगीत विशेषज्ञ की टीम निर्णायक मंडल कैलाश बागड़ी आगर, काजल बागड़ी आगर, ईश्वरलाल यादव सुसनेर, नीतू जी शर्मा खाचरोद द्वारा प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान दिया गया। प्रतियोगिता पुरी पारदर्शिता के साथ आयोजित की गई । चयन समिति द्वारा प्रथम द्वितीय एवं अन्य स्थानों की जो घोषणा की गई जिसमें सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर सीनियर वर्ग में प्रथम महेश पंवार,द्वितीय रिया ठाकुर, तृतीय रेखा परिहार, जूनियर वर्ग में प्रथम दुर्गेश नंदनी बारोट, द्वितीय माही खेरवाड़, तृतीय मितांशी बेरागी रहे प्रतियोगितामें सभी प्रतिभागियोंको अतिथियों द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिए गए इस आयोजन को सफल बनाने में पार्षद नारायण मंडावलिया के साथ प्रिया ठाकुर, जितेंद्र जैन, वैभव चौहान, रईस मेंव, नवीन जैन,विकास पोरवाल, भरत परिहार विशेष सहयोगी रहे ।

किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम में बच्चों को दी जानकारी

उज्जैन

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के उमंग स्वास्थ्य केंद्र ने आउटरेज एक्टिविटी एवं आईसीटीसी सिविल हॉस्पिटल खाचरोद ने सघन अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खाचरोद में सत्र आयोजित किया जिसमें उमंग स्वास्थ्य केंद्र से राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के काउंसलर दिनेश चंद्र परिहार ने सत्र आयोजित कर किशोर किशोरियों को पोषण, एनीमिया, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आयरन WIFS, मादक पदार्थ के दुरुपयोग ,14425 जस्ट आस्क चैटबॉट , एवं उमंग स्वास्थ्य केंद्र आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही आईसीटीसी काउंसलर रचना चंद्रावत ने एचआईवी एड्स की जानकारी देकर 18 वर्ष से अधिक उम्र वालों का एचआईवी परीक्षण किया गया जिसमें शासकीय कन्या उमावि के प्राचार्य प्रतिमा गुल्या, विक्रम मकवाना, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे, इसके साथ ही राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के उमंग स्वास्थ्य केंद्र सिविल हॉस्पिटल खाचरोद के काउंसलर दिनेश चंद्र परिहार मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खाचरोद में सत्र आयोजित किया परिहार ने सत्र में किशोर किशोरियों को पोषण, एनीमिया, स्वास्थ् , स्वच्छता, आयरन wifs, मादक पदार्थ के दुरुपयोग, एचआईवी, एड्स, 14425, जस्ट आस्क चैटबोट, उमंग स्वास्थ्य केंद्र आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई नवोदय विद्यालय के प्राचार्य धीरेंद्र कुमार मेहता जिसमें मॉडल उमावि के प्राचार्य घनश्याम नागर, एवं शिक्षक शिक्षिकाएं दिनेश चंद्र परिहार काउंसलर (राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम) उमंग स्वास्थ्य केंद्र सिविलभी हॉस्पिटल खाचरोद उपस्थित रहे !

कैंसर को मात देने वाली शिक्षिका अनीता सोलंकी की कहानी, बोली ; डर को नहीं अपनी उम्मीदों को बढ़ाएं

धार

कैंसर का नाम सुनते ही मरीज जीने की उम्मीद छोड़ने लगता है, लेकिन डटकर मुकाबला करा जाए तो इसे हराया जा सकता हैं। 48 साल की अनीता सोलंकी इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं।अनीता कैंसर को मात दे शिक्षण कार्य में जुटी हैं।उन्हें पहली बार कैंसर का पता सन् 2013 में चला। बीमारी से लड़ने के लिए उन्होंने खुद को तो संभाल लिया लेकिन परिवार में मातम सा छा गया। बीमारी से लड़ते हुए परिवार को भी संभाला।आज वो कैंसर के मरीजों के लिए बीमारी से लड़ाई की प्रेरणा बन गई हैं।

बीमारी के डर पर हावी सेंस ऑफ ह्यूमर,बच्चों से साथ बच्चा बन पढ़ना पढ़ाना प्रिय शग़ल अनीता कहती है मेरा सेंस ऑफ ह्यूमर ही मुझे बीमारी से लड़ने की ताकत देता है।बच्चों के साथ बच्चा बन पठान पाठन से बीमारी के नाम से मुझे कभी घबराहट् नहीं हुई।मुसीबतें हर कदम पर इम्तिहान लेती रहीं, हौसला हर बार बढ़ता गया। अपने बारे में अनिता सोलंकी ने बताया कि मैं धार ज़िले के डही विकास खंड के शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सिलकुआँ में माध्यमिक शिक्षक के पद पर पदस्थ हूँ। मेरी नियुक्ति 1998 में हुई। माध्यमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत रह कैंसर जैसी बीमारी से पीड़ित होने के बाद भी मैंने उपचाररत रहते हुए शाला के विकास हेतु जनसहयोग से राशि एकत्रित की।स्मार्ट क्लास के ज़रिए जॉयफूल लर्निंग, डिजिलेप, दक्षता उन्नयन, हमारा घर हमारा विद्यालय जैसे शासकीय कार्यों में उपलब्धियाँ पाई। आयुष्मान कार्ड बनवाने मी सहयोग किया।अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगो के बालक बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने घर घर जाकर समझाईश दी। समाज में नशा मुक्ति के साथ-साथ बाल विवाह समाज में व्याप्त अंधविश्वास,महिलाओं को डायन घोषित करने जैसी कुरीतियों को दूर करने जैसे सामाजिक कार्यों में अपने आपको व्यस्त रखा।हमारी शाला का रिजल्ट लगातार कई वर्षों से शत प्रतिशत रहा है। मैं अब पूरी तरह स्वस्थ हूँ। परिवार, साथियों के प्यार और आशीर्वाद, डॉक्टर्स की मेहनत और प्रभु की शक्ति से मिले आत्मविश्वास ने कैंसर को धराशाई कर दिया है। इस दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से मिले कई दोस्तों ने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखा। ज़िंदगी की दुश्वारियों के बीच जब कभी हिम्मत कमजोर पड़े तो अनीता की ये कहानी पढ़ लीजिए, शरीर में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होगा।

आयुक्त श्री तिवारी ने शाहपुर विकासखंड में क्रियान्वित नल जल योजनाओं का किया औचक निरीक्षण

बैतूल

संभागायुक्त श्री केजी तिवारी ने बुधवार को शाहपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सालीमेट के ग्रामों में पहुंचकर शासन की अति महत्वावकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री तिवारी ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर नल जल योजना की जानकारी भी ली।

आयुक्त श्री तिवारी ने ग्राम सलीमेट, चिरमाठेकरी, मानसिंग पूरा एवं धार में नल जल योजना का निरीक्षण कर पीएचई विभाग को कार्य समय सीमा में पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों को समय पर जलकर राशि जमा किए जाने की सलाह दी, ताकि योजना सतत चालू रहे। आयुक्त श्री तिवारी ने निरीक्षण के पश्चात संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में स्वीकृत ग्रामों की नल योजनाओं के कार्य निर्धारित समय अंतराल में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराएं। गुणवत्ता विहीन और समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध टर्मिनेट करने की कार्रवाई भी की जाए।

मातृ मृत्यु एवं शिशु दर कम करने किया नया नवाचार

खरगोन

प्रत्येक गर्भवती महिला के घर पर लगाया जाएगा कैलेंडर

मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा एवं स्वास्थ्य विभाग खरगोन के द्वारा एक नया नवाचार खरगोन जिले में लाया गया। जिसमें अंतरराष्ट्रीय संस्था जपाइगो द्वारा तकनीकी सहयोग से जिले में बीपीसीआर (जन्म की तैयारी और जटिलता का प्रबंधन) कैलेंडर बनाया गया है। यह कैलेंडर प्रत्येक गर्भवती महिला के घर पर लगाया जाएगा। जिसमें गर्भवती महिला एवं उनके परिवार को बता रहे कि गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान हमें किस अस्पताल में जाना है। इस कैलेंडर में आशा, एनएम, अस्पताल का नाम अंकित रहेगा, ताकि गर्भवती महिलाओं को जब भी प्रसव पीड़ा हो तो वह इनसे संपर्क कर सके। साथ ही होने वाली जटिलताओं एवं उच्च जोखिम होने पर सही स्वास्थ्य संस्था पर पहुंच सके। जिससे जिले में मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सकेगा। मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रत्येक गर्भवती महिला को सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ ले सके।

राज्यमंत्री ने किया नारायण तालाब और प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण

सतना

प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती Pratima Bagri ने बुधवार को सतना पहुंचते ही शहर के नारायण तालाब और उसके पानी के बहाव से प्रभावित क्षेत्र का मौका निरीक्षण किया। सतना शहर में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत निर्माणाधीन तालाब की मेड फूटने से उतैली और निचले इलाकों में जलमग्नता हो गई थी। राज्यमंत्री ने उतैली का भ्रमण कर प्रभावित व्यक्तियों और परिवारों से भेंट की तथा नुकसानी का जायजा लिया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने प्रशासन के अधिकारियों से नियमानुसार क्षतिपूर्ति सहायता के प्रस्ताव तैयार मदद दिलाने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान नगर निगम, स्मार्ट सिटी के अधिकारियों और ठेकेदार तथा कन्सलटेंसी से तालाब की मेड के टूटने की वजह जानी। उन्होंने कहा कि कल गुरूवार को प्रात: 10 बजे नगर निगम, स्मार्ट सिटी ठेकेदार, तकनीकी कन्सलटेंसी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बैठक लेकर सबका पक्ष सुनने के बाद संबंधित एजेंसी पर जिम्मेदारी निर्धारित कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इस मौके पर कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री शेर सिंह मीना, उपायुक्त श्री भूपेन्द्र देव परमार, एसडीएम सिटी श्री नीरज खरे, तहसीलदार श्री सौरभ द्विवेदी सहित नगर निगम के अधिकारी एवं ठेकेदार तथा कन्सलटेंसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

आईआईटी गांधीनगर की रिपोर्ट में गुजरात में बाढ़ जैसे हालात की वजह आई सामने

बढ़ते शहरीकरण और जल निकासी सिस्टम में लापरवाही भी पड़ी भारी

अहमदाबाद। गुजरात में हाल ही में आई बाढ़ के लिए मौसम के साथ-साथ तेजी से बढ़ते शहरीकरण और जल निकासी सिस्टम में की गई लापरवाही जिम्मेदार है। यह बात भारतीय प्रौद्यागिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात के 33 में से 15 जिलों में तीन दिनों में रिकॉर्ड की गई बारिश पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा जामनगर, मोरबी, देवभूमि, द्वारका और राजकोट में ऐसी घटनाओं के बीच औसत समयांतराल पिछले 50 वर्षों में घटा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के पश्चिमी तट पर पिछले सप्ताह मौसम की स्थिति और बाढ़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए शहरी नियोजन और बुनियादी ढांचे के दोबारा मूल्यांकन की

जरूरत है। आईआईटी गांधीनगर की मशीन इंटेलीजेंस एंड रेजिलिएंस लेबोरेटरी (एमआईआर लैब) के शोधकर्ताओं ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए मजूबत आपातकालीन प्रतिक्रिया रणनीति बनाने की आवश्यकता है। शोध कताओं ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण से जल निकासी प्रणालियों पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए जल निकासी प्रणाली पर अधिक काम किया जाए।

मजबूत आपातकालीन प्रतिक्रिया रणनीति बनाने की जरूरत

शोध में कहा गया कि वड़ोदरा में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन फिर भी यहां बाढ़ के हालात बने। ऐसा व्यापक शहरी विकास, तेजी से बढ़ते शहरीकरण, जल निकासी प्रणालियों के बंद होने और जल निकासी सिस्टम की गई लापरवाही के कारण हुआ। अध्ययन में कहा गया कि ऐसी स्थिति उन क्षेत्रों के लिए सटीक उदाहरण है जहां कई बार एक साथ गंभीर मौसम की आशंका होती है। इस स्थिति में आपातकालीन प्रतिक्रिया और राहत प्रयास जटिल हो जाते हैं। इसलिए मजबूत आपातकालीन प्रतिक्रिया रणनीति बनाने की जरूरत है।

जल निकासी प्रणाली अक्षम होने पर बनते हैं हालात

आईआईटी गांधीनगर में सहायक प्रोफेसर उदित भाटिया ने कहा कि मौजूद डाटा से शहरी बाढ़ की बारीकियों को पूरी तरह से पकड़ा नहीं जा सकता। क्योंकि अक्सर छोटी अवधि, उच्च तीव्रता वाली बारिश भी जल निकासी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि जब बारिश लंबे समय तक जारी रहती है, तो शुरूआती दौर में मिट्टी संतृप्त हो जाती है। बाद की वर्षा के सीधे सतही अपवाह में योगदान करने की अधिक संभावना होती है। इससे बाढ़ की संभावना बढ़ती है। यह तब भी होता है जब जल निकासी प्रणाली अक्षम होती है।

अफसरों की लापरवाही पर बिफरा उत्तर कोरिया का तानाशाह, एक ही समय में सभी को दी मौत

बाढ़ से 4000 लोगों की मौत पर भड़का किम जोंग, 30 अधिकारियों को फांसी पर लटकाया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया का तानाशाह किसी भी गलती या लापरवाही को सहन नहीं कर सकता है। इसका एक ताजा उदाहरण सामने आया है। दरअसल, हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से देश बुरी तरह हिल गया। इस बाढ़ को रोक पाने में नाकाम रहने के कारण सुप्रीम नेता किम जोंग उन भड़क गए और 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। हालांकि, इन लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले भी दर्ज थे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विनाशकारी बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया। इसमें 4,000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए थे। तानाशाह किम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान बाढ़ की भयावहता को देखकर वह क्रोधित हो गए। उन्होंने आव न देखा ताव, तुरंत उबाढ़ में लापरवाही बरतने के आरोप में 30 अधिकारियों को फांसी की सजा दे दी। दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पार्टी के 20-30 प्रमुख व्यक्तियों को पिछले महीने के अंत में एक ही समय में फांसी दे दी गई थी।। इसके अलावा चागांग प्रांत के बर्खास्त पार्टी सचिव कांग बोंग-हून को भी इस परिस्थिति के लिए गिरफ्तार किया गया। वहीं, किम जोंग उन ने अधिकारियों से उन लोगों को सख्ती से दंडित करने को कहा,

जो आपदा को रोकने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर पाए हैं।

हजारों लोग हुए थे बेघर

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने पहले खबर दी थी कि जुलाई में चागांग प्रांत में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद किम जोंग उन ने अधिकारियों को सख्त सजा देने का आदेश दिया था। इस बाढ़ में लगभग 4,000 लोगों की जान चली गई थी और 15,000 से अधिक लोग बेघर हो गए थे।

अधिकारियों की पहचान उजागर नहीं

नॉर्थ कोरिया में किन अधिकारियों को फांसी दी गई, अब तक उनकी पहचान उजागर नहीं की गई है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ आपदा के दौरान एक आपातकालीन बैठक में किम जोंग उन ने जिन नेताओं को बर्खास्त किया था, उनमें 2019 से चागांग प्रांत की प्रांतीय पार्टी समिति के सचिव कांग बोंग-हून भी शामिल थे।

मौलवी के कमरे से मिली विवादास्पद किताब, लेखक निकला महाराष्ट्र का पूर्व आईजी मुशर्रफ

संघ को देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन सिखाने वाल मदरसा सील

प्रयागराज। अतरसुइया स्थित जिस मदरसे में नकली नोट छापने का भंडाफोड़ हुआ, वहां बच्चों में नफरत भी घोली जा रही थी। उनका ब्रेनवॉश किया जा रहा था। उन्हें पढ़ाया जा रहा था कि आरएसएस देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन है। यह खुलासा तब हुआ, जब मौलवी के कमरे की तलाशी के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो की टीम को विवादास्पद किताब बरामद हुई। खास बात है कि इस किताब के लेखक महाराष्ट्र के पूर्व आईजी एमएम मुशर्रफ हैं। बुधवार को पुलिस ने मदरसे को खाली करा दिया। यहां रहने वाले 106 बच्चों को वापस उनके घर भेज दिया गया। इसके साथ ही उन्हें तालीम देने वाले आठ शिक्षक भी अपने घर चले गए। साथ ही निर्माण अनाधिकृत होने और बिना मान्यता के चलतने के कारण मदरसे को सील कर दिया गया। नकली नोट छापने के खेल के भंडाफोड़ के दिन ही आईबी की टीम ने जेल भेजे जाने से पहले मौलवी तफसीरुल व जाहिर समेत चार आरोपियों से लंबी पूछताछ की थी। मंगलवार दोपहर जांच को आगे बढ़ाने के क्रम में ही आईबी की टीम मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में पहुंची। यहां मौलवी के कमरे की तलाशी ली गई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। कमरे से एक विवादास्पद किताब मिली, जिसका शीर्षक ही 'आरएसएस देश का सबसे बड़ा आतंकवादी संगठन' है। किताब में भीतर मालेगांव व समझौता एक्सप्रेस जैसी कई आतंकी घटनाओं का जिक्र किया गया है। इसके साथ ही

मालेगांव 2008 मामले के आरोप पत्र के कुछ अंश व उद्धरण भी बतौर अनुलग्नक समाहित किए गए हैं। किताब को कब्जे में लेने के साथ ही आईबी ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब इस बिंदु पर भी जांच शुरू हो गई है कि मदरसे में बच्चों को पढ़ाने की आड़ में राष्ट्रविरोधी गतिविधियां तो नहीं संचालित की जा रही थीं।

स्पीड पोस्ट की एक दर्जन पावती भी मिलीं

तलाशी के दौरान मौलवी के कमरे से स्पीड पोस्ट की पावती भी बरामद हुई हैं। यह स्पीड पोस्ट मौलवी खुद अपने नाम से करता था। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि वह स्पीड पोस्ट से किस तरह का पत्राचार या पार्सल भेजने का काम किया करता था। डीसीपी दीपक भूकर ने बताया कि मदरसे से एक विवादास्पद किताब बरामद हुई है। इस संबंध में विस्तृत जांच पड़ताल की जा रही है।

टेक्सास में तेज रफ्तार ट्रक ने एसयूवी को पीछे से टक्कर मारी

पांच वाहनों की भीषण टक्कर में चार भारतीय जिंदा जले

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में पांच वाहनों की भीषण टक्कर में मंगलवार को चार भारतीयों की मौत हो गई। मरने वालों में एक महिला भी शामिल है। यह दर्दनाक घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी एसयूवी को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई और सभी यात्रियों की जलकर मौत हो गई। मरने वालों आर्यन रघुनाथ ओरमपति, फारूक शेख, लोकेश पलाचारला और दर्शिनी वासुदेवन के रूप में हुई है। ये सभी एक कारपूलिंग एप के जरिए जुड़े थे और अरकंसास के बेंटनविले की ओर जा रहे थे। आर्यन और उनके दोस्त फारूक डलास में एक रिश्तेदार से मिलकर लौट रहे थे, जबकि लोकेश अपनी पत्नी से मिलने जा रहे थे। दर्शिनी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास से मास्टर डिग्री कर चुकी थीं, अपने अंकल से मिलने जा रही थीं। ओरमपति के पिता सुभाष चंद्र रेड्डी हैदराबाद में मैक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक हैं।

दीक्षांत समारोह के लिए अमेरिका आए थे

ओरमपति ने कोयंबटूर के अमृता विश्व विद्यापीठम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उनके एक रिश्तेदार ने बताया कि ओरमपति के माता-पिता मई में उनके दीक्षांत समारोह के लिए अमेरिका आए थे और उससे भारत लौटने के लिए कहा था। उस समय ओरमपति ने अमेरिका में कुछ और समय काम करने की इच्छा जताई थी। फारूक शेख, जो हैदराबाद से थे, बेंटनविले में रह रहे थे और हाल ही में अपनी एमएस डिग्री पूरी की थी। उनके पिता मस्तान वली ने कहा, फारूक तीन साल पहले एमएस की डिग्री पूरी करने के लिए अमेरिका गया था।

150 किमी तक चिल्लाती रही महिला, बदमाशों ने पति का ऑक्सीजन मास्क निकालकर फेंका

एंबुलेंस चालक और उसका साथी चलती गाड़ी में करते रहे छेड़छाड़

सकारपार (सिद्धार्थनगर)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एंबुलेंस में पीछे पति जीवन के लिए जूझ रहा था और आगे की सीट पर उसकी पत्नी से निजी एंबुलेंस चालक और उसका साथी चलती गाड़ी में शर्मनाक हरकतें करते रहे। बस्ती में गाड़ी से उतार कर एंबुलेंस चालक और उसके साथी ने महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश की। सफल नहीं हुए तो पति का ऑक्सीजन मास्क निकाल कर फेंक दिया और उसे गाड़ी से उतार कर व महिला के पहने गहने और उसके पास रखी नगदी लेकर फरार हो गए। डॉयल 112 की मदद से महिला के पति को बस्ती मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां से गोरखपुर ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया। इस मामले में रविवार को महिला ने लखनऊ के गाजीपुर थाने में तहरीर दी है। बांसी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने 28 अगस्त को अपने बीमार पति को लखनऊ के इंदिरा नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, लेकिन इलाज के लिए पैसे कम पड़ जाने के कारण अगले दिन महिला ने डॉक्टर से अपनी परेशानी बताते हुए पति को डिस्चार्ज कर देने को कहा। इस पर अस्पताल वाले ने एक प्राइवेट एंबुलेंस का नंबर दिया। उसने उस नंबर पर बात की और बृहस्पतिवार शाम करीब 6.30 बजे एंबुलेंस से पति और 17 साल के भाई के साथ घर के लिए चल दी।

शीशा बंद होने के कारण बाहर तक नहीं गई महिला की आवाज

लगभग बीस किलोमीटर चलने के बाद एंबुलेंस चालक ने एक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकी और महिला से कहा कि रात का मामला है, रास्ते में पुलिस गाड़ी चेक करती है। तुम आगे बैठ जाओ, तो पुलिस गाड़ी नहीं रुकवाएगी। महिला के अनुसार, पहले तो उसने मना कर दिया लेकिन उसके कई बार कहने पर मजबूरी में आगे की सीट पर बैठ गई। ड्राइवर ने उसके भाई को पीछे की सीट पर बैठा दिया। आरोप है कि कुछ दूर जाने के बाद ड्राइवर व उसके साथी ने महिला के साथ छेड़खानी शुरू कर दी। महिला के बार-बार मना करने के बावजूद भी वह नहीं मान रहे थे। इस पर वह शोर मचाने लगी, लेकिन गाड़ी का शीशा बंद होने के कारण उसकी आवाज बाहर तक नहीं गई। हालांकि उसकी चीख सुनकर पीछे की सीट पर बैठे भाई को कुछ गलत होने का अहसास हुआ तो उसने भी शोर मचाना शुरू कर दिया। करीब डेढ़ सौ किमी तक एंबुलेंस चालक और उसके साथी महिला से शर्मनाक करते रहे। रात करीब 11.30 बजे बस्ती जिले के छावनी क्षेत्र में एंबुलेंस चालक ने गाड़ी रोक दी।

असफल होने पर महिला के पति का ऑक्सीजन मास्क उतार कर फेंका इसके बाद महिला के भाई को आगे की सीट पर बैठाकर अंदर लॉक कर दिया और महिला से बाहर दुष्कर्म की कोशिश करने लगे। असफल होने पर महिला के पति का ऑक्सीजन मास्क निकाल दिया और उसे गाड़ी से उतार कर जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद महिला से मारपीट करते हुए उसके गहने, नकदी व मोबाइल लेकर और भाई को भी गाड़ी से उतार कर फरार हो गए।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई मौत

इसके बाद महिला के भाई ने डॉयल 112 और 108 पर फोन किया। कुछ ही देर में दोनों पहुंच गए। इसके बाद महिला के पति की हालत गंभीर देखते हुए पहले उसे अस्पताल पहुंचाने का फैसला किया। पति को एंबुलेंस से तत्काल बस्ती जिला अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां हालत में सुधार नहीं होने पर शुक्रवार को गोरखपुर रेफर कर दिया गया। गोरखपुर पहुंचने से पहले ही महिला के पति की सांसों ने उसका साथ छोड़ दिया।

कोतवाली प्रभारी ने कही ये बात

महिला ने रविवार को बस्ती के छावनी थाने में तहरीर देने की कोशिश की लेकिन उसका कहना है कि पुलिस वालों ने मामला लखनऊ का होने का जिक्र करते हुए उसे लखनऊ में ही तहरीर देने को कहा। इस पर महिला ने लखनऊ के गाजीपुर थाने में तहरीर दी। गाजीपुर कोतवाली प्रभारी विकास राय का कहना है कि महिला के बताने के अनुसार मामला छावनी कोतवाली का है लेकिन महिला ने हमारी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। मामले की जांच कराई जाएगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

अपने और सरकार में बूढ़े हो चुके कई मंत्रियों की उम्र बढ़ाना चाहते हैं पुतिन

रूसी राष्ट्रपति ने दिया बुढ़ापा रोकने की दवा बनाने का आदेश

मास्को। यूक्रेन से चल ही भीषण जंग के बीच राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी वैज्ञानिकों को बुढ़ापा रोकने की दवाई बनाने का आदेश दिया है। ऐसी रिपोर्ट है कि पुतिन अपनी और सरकार में बूढ़े हो रहे कई मंत्रियों की ढलती उम्र को रोकना चाहते हैं। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसी साल जून महीने में वैज्ञानिकों को ये निर्देश दिए। इसके लिए टारगेट भी तय है। साल 2030 तक 175000 बूढ़ों को जवान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उधर, पुतिन सरकार का लेटर पाकर वैज्ञानिकों ने हैरानी जताई है और कहा है कि यह पहली बार है, जब इतने कम नोटिस पर ऐसा आदेश मिला।

रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच व्लादिमीर पुतिन की उम्र को लेकर चिंता इसलिए भी बड़ी है क्योंकि जंग में लगातार मारे जा रहे युवाओं के बाद अब रूस में बूढ़ों की संख्या बढ़ रही है। रूस की संघीय राज्य सांख्यिकी सेवा (रोसस्टेट) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश की औसत जीवन प्रत्याशा जुलाई 2023 और जून 2024 के बीच घट कर 73.24 वर्ष हो गई है।

दवाई खाकर बूढे से जवान हो गया चूहा

पिछले महीने एमआरसी लैबोरेटरी ऑफ मेडिकल साइंस, इंपीरियल कॉलेज लंदन और सिंगापुर में ड्यूक-एनयूएस मेडिकल स्कूल के शोधकताओं ने एक ऐसी दवा की खोजने का दावा किया था जो बूढ़े को जवान बनाने में कारगर साबित हो सकती है। शोधकताओं ने प्रयोगशाला

में एक चूहे पर एक्सपरीमेंट किया और पाया कि दवाई के बाद चूहा बूढ़े से जवान हो गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि दवाई पशुओं की आयु को लगभग 25त्न तक बढ़ा सकती है। हालांकि इसका उपयोग अभी किसी इंसान पर नहीं किया गया है। वैज्ञानिकों ने यह भी नहीं बताया कि इंसान पर ऐसी किसी दवाई का उपयोग करने से क्या हो सकता है?

एंटी एजिंग दवाई चाहती है रूसी सरकार

हाल ही में मॉस्को में रूसी उप प्रधानमंत्री तात्याना गोलिकोवा ने लंबी आयु और बुढ़ापे में बीमारियों को दूर रखने वाली अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश करने की सरकार की योजना का अनावरण किया था। इसके बाद सरकार ने वैज्ञानिकों से इस परियोजना पर काम करने का निर्देश दिया। पुतिन की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत रूसी सरकार एंटी एजिंग दवाई चाहती है।

पुतिन के पत्र पर वैज्ञानिकों ने जताई हैरानी

जून में मिले पत्र पर एक रूसी वैज्ञानिक ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि किस प्रकार हमसे ऐसी दवाई तैयार करने के लिए दबाव डाला जा रहा है, जो बूढ़े को जवान कर दे। उन्होंने कहा कि इसके लिए समय सीमा काफी कम निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा, उन्होंने हमसे सभी प्रस्तावों को तेजी से पूरा करने को कहा है।

ईमानदारी से कहूं तो, यह पहली बार है, क्योंकि आमतौर पर, किसी भी राष्ट्रीय परियोजना को पूरा करने के निर्देश देने से पहले विशेषज्ञों की बैठकें होती हैं और फिर बात आदेश दिए जाते है। इस बार ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569